सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जसप्रीत बुमराह वापसी को तैयार, लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले ... -पेज: 7

मानुषी ने बताया बॉलीवुड में कैसा रहा अब तक का सफर..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 91 | गुरुवार 10 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

महाराष्ट्र में जनादेश छीना, अब बिहार की बारी, तरीका नया साजिश पुरानी : राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आयोजन में शामिल हुए। विपक्ष के सभी नेताओं ने आयकर गोलंबर से निर्वाचन आयोग कार्यालय तक मार्च किया

पटना (एजेंसी): बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण के खिलाफ राजनीति अपने चरम पर है। बिहार विधानसभा चुनाव के ठीक पहले मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के खिलाफ संपूर्ण विपक्ष जहां चुनाव आयोग के खिलाफ आग बबूला है तो वहीं भाजपा को लेकर भी उसके हमलावर तेवर लगातार जारी है। चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण के खिलाफ बुधवार को बिहार चक्का जाम किया गया। इस कार्यक्रम के लिए पटना में महागठबंधन दल के सभी घटक दल के बड़े नेताओं का जुटान हुआ। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आयोजन में शामिल हुए। विपक्ष के सभी नेताओं ने आयकर गोलंबर से निर्वाचन आयोग कार्यालय तक मार्च किया इस दौरान किन नेताओं ने चुनाव आयोग और भाजपा सरकार पर जोरदार हमला भी बोला। राहुल गांधी ने राजद, कांग्रेस, वाम दल और वीआइपी नेताओं कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा, महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में चुनाव आयोग हमारे मतदाताओं की चोरी कर रहा है। पहले इन्होंने महाराष्ट्र में जनादेश छीना अब बिहार की बारी है इनका तरीका नया है मगर साजिश पुरानी है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बिहार चुनाव को महाराष्ट्र के तरह ही चोरी करने की कोशिश की जा रही है। गरीबों के हक को छीनने की साजिश रची जा रही है। लेकिन हम लोग ऐसा होने नहीं देंगे। जनता का भविष्य बर्बाद नहीं होने देंगे। महागठबंधन बिहार की जनता के साथ खड़ा है। राहुल कहा कि लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में आइएनडीआइए गठबंधन जीतकर आया। जबकि विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन बुरी तरह हार गया। उस समय हम लोगों ने कुछ नहीं कहा, लेकिन इस गंभीर विषय पर काम शुरू किया। हमने जांच की तो पता चला कि लोकसभा से ज्यादा मतदाताओं ने विधानसभा चुनाव में मतदान किया। आश्चर्यजनक ढंग से एक करोड़ वोट बढ़ गए। एक दिन में चार से पांच हजार वोट रजिस्टर हुए। गरीबों के वोट काटे गए। जब हमने चुनाव आयोग से कहा कि आप हमें वोटर लिस्ट दीजिए, तब चुनाव आयोग ने एक शब्द नहीं कहा। राहुल गांधी बोले कि हमने चुनाव आयोग से कहा कि कानून कहता है कि हमें वोटर लिस्ट दी जाए, लेकिन आज तक महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट हमें नहीं मिली। वे सच्चाई छिपाना चाहते हैं। यही खेल वे बिहार में भी करना चाहते हैं। मैं बिहार की जनता से कहता हूं कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, वैसे ही बिहार चुनाव भी चोरी करने की कोशिश की जा रही है। यह गरीबों का वोट छीनने का तरीका है। उन्हें यह मालूम नहीं है कि यह बिहार है। बिहार की जनता अपना हक छिनने नहीं देगी। बिहार की जनता डरने वाली नहीं है। राहुल गांधी के साथ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, दीपंकर भट्टाचार्य, मुकेश सहनी समेत वामदलों के अन्य नेताएँ ने भी चक्का जाम को संबोधित किया।

पश्चिम बंगाल में दिखा भारत बंद का असर, ट्रेड यूनियन और टीएमसी के नेता आपस में भिड़े; भारी पुलिस बल की तैनात

कोलकाता (एजेंसी): पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकताओं और ट्रेड यूनियन नेताओं के बीच 'भारत बंद' को लेकर जोरदार भिड़ंत हुई। यह बंद लेफ्ट पार्टियों की ट्रेड यूनियनों ने बुलाया है। भारत बंद के दौरान दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार आर्थिक सुधार ला रही है लेकिन ये मजदूरों के हक को कमजोर कर रहा है। वहीं पुलिस की मौजूदगी के बावजूद, लेफ्ट यूनियन के लोग जादवपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और ट्रैक ब्लॉक कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि केंद्र की नीतियां कॉर्पोरेट के हक में हैं। बस ड्राइवर कर रहे काम लेकिन भारत बंद को दे रहे समर्थन उधर, नॉर्थ बंगाल स्टेट ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एनबीएसटीसी) के ड्राइवर हेलमेट पहनकर ड्यूटी कर रहे हैं, ताकि अपनी सुरक्षा बनी रहे। राज्य सरकार ने ड्राइवरों को हेलमेट बांटे हैं, मगर दार्जिलिंग हिल्स को छोड़कर। एक ड्राइवर ने कहा, "इनका मुद्दा सही है, लेकिन हमें काम करना है। हम मजदूर हैं, तो बंद का साथ देते हैं लेकिन हेलमेट पहनकर सावधानी बरतते हैं।" जादवपुर 8बी बस स्टैंड के पास भी भारी पुलिस तैनात है, फिर भी प्राइवेट और सरकारी बसें चल रही हैं।

'चीन के अलावा इस देश के साथ पाकिस्तान का गठजोड़ भारत के लिए खतरा', सीडीएस अनिल चौहान ने ऐसा क्यों कहा?

सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि भारत को तीन पड़ोसियों के गठजोड़ से खतरा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत को नए-पुराने युद्ध के तरीकों के लिए तैयार रहना चाहिए।

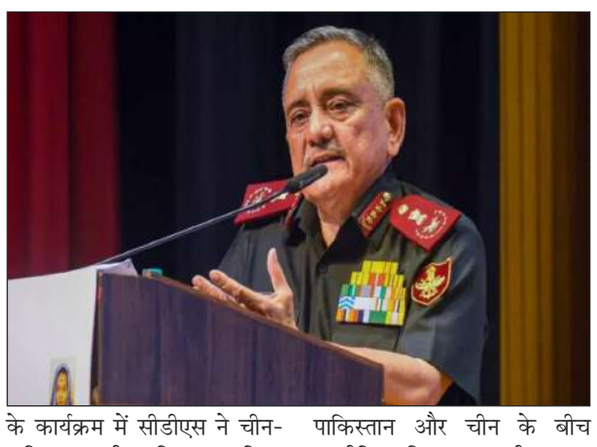

नई दिल्ली। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हितों के संभावित गठजोड़ से भारत की स्थिरता और सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत अब परमाणु ब्लैकमेलिंग से नहीं डरता। उन्होंने कहा कि असल में परमाणु हथियार लड़ाई के लिए नहीं, वरना भय पैदा करने के लिए होते हैं। लेकिन भारत अब इस तरह की रणनीतियों से प्रभावित होने वाला है नहीं। उन्होंने पिछले दिनों चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि यह दो परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों के बीच टकराव का एकमात्र उदाहरण है। पाकिस्तान के पास 80 फीसदी तक चीन के हथियार एक थिंकटैंक के कार्यक्रम में सीडीएस ने चीन-पाकिस्तान की साजिश का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पिछले पांच साल में लगभग 70 से 80 प्रतिशत अपने हथियार और उपकरण चीन से हासिल किए हैं। पाकिस्तान और चीन के बीच रणनीतिक मित्रता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच संभावित हितों का गठजोड़ है जो भारत पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। जनरल चौहान ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है। उसके लिए आंतरिक और सामाजिक सुरक्षा बेहद जरूरी है। भारत को पुराने और नए प्रकार के युद्ध के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच पूरी तरह से समन्वय था।

राजनीति से संन्यास लेने के बाद क्या करेंगे अमित शाह? गृह मंत्री ने बता दिया अपना रिटायरमेंट प्लान

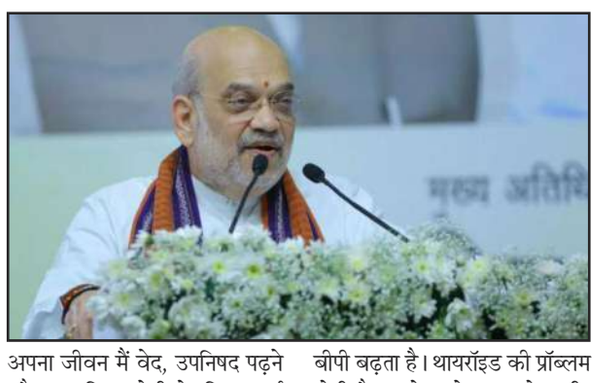

नई दिल्ली (एजेंसी): हमारे देश में राजनेताओं के रिटायरमेंट को लेकर हमेशा चर्चा होते रहती है। हालांकि, देश की राजनीति में रिटायरमेंट की कोई समय सीमा नहीं है। संविधान के मुताबिक, कोई व्यक्ति किसी भी उम्र तक चुनाव लड़ सकता है। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपना रिटायरमेंट प्लान बता दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपना फ्यूचर प्लान भी जाहिर कर दिया है। अमित शाह ने बताया प्राकृतिक खेती का फायदा उन्होंने कहा है कि मैंने तय किया है कि जब भी रिटायर हो जाऊंगा, तो मैं बाकी का जीवन प्राकृतिक खेती के काम में लगा दूंगा। अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद का अपना जीवन मैं वेद, उपनिषद पढ़ने और प्राकृतिक खेती के लिए खर्च करूंगा. उन्होंने कहा कि ये प्राकृतिक खेती... एक प्रकार का वैज्ञानिक प्रयोग है जो कई प्रकार के फायदे देती है। अमित शाह ने कहा कि उर्वरक वाला गेहूं खाने से कैंसर होता है। बीपी बढ़ता है। थायरॉइड की प्रॉब्लम होती है। खाने वाले शख्स के शरीर को अच्छा बनाए रखने के लिए बिना फर्टिलाइजर वाला भोजन करना जरूरी है, अगर ऐसा होगा तो इसका मतलब दवाइयों की जरूरत ही नहीं होगी। अमित शाह ने आगे कहा कि इससे उत्पादन भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि मेरे खेत में मैंने प्राकृतिक खेती अपनाई है, आज मेरे अनाज उत्पादन में लगभग डेढ़ गुना बढ़ोतरी हो चुकी है। अमित शाह फिलहाल राजनीतिक जीवन में सक्रिय है, लेकिन वो अभी भी अपनी जमीन पर प्राकृतिक खेती करते हैं। युवाओं को अमित शाह ने क्या दिया संदेश? अमित शाह ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए दो घंटे शारीरिक व्यायाम और छह घंटे की नींद का नियम अपनाएं। उन्होंने कहा कि युवाओं के पास देश की प्रगति में योगदान देने के लिए अभी 40-50 साल हैं।

बिहार अपना हक और अधिकार छीनने को तैयार: मुकेश सहनी

पटना (एजेंसी): बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में महागठबंधन में शामिल सभी घटक दलों के प्रमुख नेता सड़कों पर उतरे। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना पहुंचे और महागठबंधन की ओर से आयोजित विरोध मार्च में शामिल हुए। इस विरोध मार्च में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी भी शामिल हुए और मतदाता पुनरीक्षण को लेकर विरोध जताया। मुकेश सहनी ने इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में मतदाता पुनरीक्षण कार्य कर गरीबों को मतदान देने से रोकने की बड़ी साजिश हो रही है। चुनाव आयोग और भाजपा को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि राशन कार्ड और आधार कार्ड को आप भले मान्यता नहीं दे रहे हैं, लेकिन यह तय है कि आपका षड्यंत्र बिहार में चलने वाला नहीं है। बिहार की जनता के साथ महागठबंधन के सभी साथी इसका मजबूती से सामना करने के लिए तैयार हैं। सहनी ने लोगों से भी इसके लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई अभी आगे भी जारी रहेगी और हम लोग अपने हक और अधिकार के लिए मजबूती से आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने इस दौरान बिहार में महागठबंधन के चक्का जाम को पूरी तरह सफल बताते हुए कहा कि सभी जिलों से जो सूचना मिल रही है, उसमें आम जनता भी स्वयं सड़कों पर उतरी और मतदाता पुनरीक्षण का विरोध किया। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग करते हुए कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य वापस लिया जाए।

'संजय गायकवाड़ ने विधायकों की गरिमा मिट्टी में मिला दी', शिंदे गुट के नेता ने की कैंटीन के ठेकेदार की पिटाई तो भड़के सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र में शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने एमएलए गेस्ट हाउस की कैंटीन के ठेकेदार को कथित तौर पर खराब दाल परोसने के कारण पीटा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि गायकवाड़ का व्यवहार अस्वीकार्य है

मुंबई (एजेंसी): एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने एमएलए गेस्ट हाउस की कैंटीन के ठेकेदार की पिटाई कर दी। वह खराब दाल दिए जाने से नाराज थे। मामले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (09 जुलाई, 2025) को नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि एक विधायक के रूप में संजय गायकवाड़ ने सभी विधायकों की गरिमा को धूमिल किया है। उन्होंने राज्य विधान परिषद में मारपीट की घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस तरीके का व्यवहार अस्वीकार्य है और किसी के लिए भी सम्मानजनक नहीं है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि एक विधायक के रूप में गायकवाड़ के कारनामे ने सभी विधायकों की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के बीच जवाबदेही की जरूरत पर जोर दिया। क्या है पूरा मामला? बुलढाणा से विधायक संजय गायकवाड़ एमएलए गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे और वो इसकी कैंटीन में खाना खाने के लिए पहुंचे। उन्हें परोसे गए खराब क्वालिटी के खाने को लेकर गायकवाड़ ने कैंटीन के कर्मचारियों से झगड़ा किया और अन्य लोगों के साथ मिलकर कैंटीन के ठेकेदार की पिटाई कर दी। यह घटना राज्य सरकार की ओर से संचालित गेस्ट हाउस में हुई, जहां पर महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कई विधायक ठहरे हुए हैं। चश्मदीदों का क्या कहना है? वहां मौजूद कुछ लोगों का कहना है कि कैंटीन कर्मचारियों और शिवसेना विधायक के बीच टकराव बढ़ गया, जो शारीरिक हिंसा में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि गायकवाड़ कैंटीन ठेकेदार को पहले दाल सुंघाते हैं और कहते हैं सड़ी हुई है दाल, फिर उसे थप्पड़ जड़ देते हैं और घूंसा भी मारते हैं। क्या कहना है संजय गायकवाड़ का? मामले पर शिवसेना विधायक ने कहा, "पूरे राज्य से लोग यहां खाना खाने आते हैं, मजदूर, अधिकारी, सभी। चूंकि यह सरकारी कैंटीन है, यहां खाने की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। मुझे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। मैं एक जनप्रतिनिधि हूं... जब कोई लोकतांत्रिक भाषा नहीं समझता, तो मुझे यही भाषा समझानी पड़ती है। मैंने यह देखकर उसकी पिटाई नहीं की कि वह मराठी है या हिंदी। मैंने कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की थी। मैं फिर पीटूंगा।"

हरियाणा में 3 लाख कर्मी की हड़ताल, दिखा मिला जुला असर, इस जिले में सभी रूटों पर दौड़ी बसें

पानीपत (एजेंसी): हरियाणा में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और कर्मचारी संघों के आह्वान पर बुधवार को कर्मचारी व मजदूर संगठन हड़ताल पर चले गए हैं। प्रदेश के 40 से अधिक विभागों के कर्मचारियों के अलावा 55 बोर्ड और निगमों के 3 लाख कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए। जानते हैं जिले वार इस हड़ताल का असर...यमुनानगर : देशभर में ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाई गई हड़ताल का असर यमुनानगर में भी देखने को मिला। जिले में हड़ताल का मिलाजुला असर देखने को मिला, जहां कुछ विभागों ने कार्य का बहिष्कार किया तो कुछ विभागों ने हड़ताल में हिस्सा नहीं लिया। लेकिन जो विभाग हड़ताल में शामिल हुए, उन्होंने अपने मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। पानीपत : हरियाणा में केंद्रीय ट्रेड यूनियन और कर्मचारी संघो के आह्वान पर बुधवार को कर्मचारी व मजदूर संगठन में हड़ताल की। प्रदेश के 40 से अधिक विभागों के कर्मचारियों के अलावा करीब 55 बोर्ड और निगम के अधिकतर कर्मचारी और संगठनों के पदाधिकारी हड़ताल में शामिल रहे। कर्मचारी संगठनों के अनुसार हड़ताल में अधिकतर कर्मचारी शामिल हुए। ट्रेड यूनियन के नेताओं के सरकार से मांग करते हुए बताया कि 29 श्रम कानून को खत्म करके बनाए गए मजदूर विरोधी 4 श्रम नियमों को वापस लिया जाए। चरखी दादरी : ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर कर्मचारियों की देश व्यापी हड़ताल का मिलाजुला असर देखने को मिला, जहां सरकारी विभागों के कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर दिखाई दिए वहीं रोडवेज का चक्का जाम का कोई असर नहीं था। सुबह से ही सभी रूटों पर बसें चल रही हैं। हालांकि रोडवेज कर्मचारियों ने बस स्टैंड परिसर में धरना देते हुए रोष प्रदर्शन किया। साथ ही कहा कि उनकी मांगों को लेकर वे लगातार संघर्ष करते रहेंगे। पलवल : केंद्रीय ट्रेड यूनियनों मजदूर कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर देश भर में चल रही राष्ट्रव्यापी हड़ताल का पलवल में भी असर देखने को मिला सभी ट्रेड यूनियनों के कर्मचारियों के अलावा किसान संगठनों ने भी इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया। इस दौरान हड़ताल में शामिल कर्मचारी और किसान नेताओं ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार कर्मचारियों के अधिकारों का हनन कर रही है जिसके लिए यह एक दिन की सांकेतिक हड़ताल की गई है अगर सरकार ने इसके बाद भी मांगे नहीं मानी तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। कैथल : ट्रेड यूनियन के आह्वान पर आज देशव्यापी हड़ताल का कैथल बस स्टैंड पर आंशिक प्रभाव देखा गया। हड़ताल में शामिल यूनियन सदस्यों ने कैथल बस अड्डे पर रोष मार्च निकाला और धरना देकर नारेबाजी की। हड़ताली कर्मचारियों ने कहा कि वे अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, जिन्हें सरकार अनदेखा कर रही है। हिसार : हिसार में आज राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। कामरेड सुरेश कुमार ने कहा कि देश की 11 ट्रेड यूनियन में से 10 ट्रेड यूनियन इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल है। उन्होंने कहा कि हिसार जिले में हम अलग-अलग शहरों व कस्बों में जुलूस निकाल रहे हैं। इनमें हिसार के साथ आदमपुर बरवाला उकलाना नारनौंद आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य श्रम कानून जो संसद में पास किए गए उन्हीं के खिलाफ यह हड़ताल की जा रही है। जींद : आज हरियाणा के जींद जिले में लघु सचिवालय के सामने केंद्रीय मजदूर संगठनों, कर्मचारी संगठनों, और किसान संगठनों ने मिलकर एक राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आयोजन किया। यह हड़ताल केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार की मजदूर, कर्मचारी, और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ है।

संपादकीय

पारदर्शिता भी जरूरी

क्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को अपेक्षाकृत शांत अवधि के दौरान भी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए। शांति के समय को भ्रम बताते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र बलों के पराक्रम की भी उन्होंने सराहना की। सिंह ने रक्षा लेखा विभाग के अपने संबोधन में कहा कि विश्व हमारे रक्षा क्षेत्र को सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। अधिकतर उपकरण जो हम पहले आयात करते थे, अब देश में ही बनाए जा रहे हैं। अधिकारियों को बाहरी ऑडिट या सलाहकारों पर निर्भर रहने की बजाय आत्मावलोकन द्वारा आंतरिक सुधार करने की सलाह भी दी। बीते साल वैश्विक सैन्य व्यय के तकरीबन पौने तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंचने की चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने इसे स्वदेशी रक्षा उद्योग के लिए अपार अवसर बताया। इस संबोधन में अनिश्चितता व शांति के समय को भ्रम बताने के पीछे की उनकी रणनीति चुनौती के तौर पर समझी जा सकती है। बेशक, मुल्क के आंतरिक व सीमापार से होने वाले हमलों पर गोपनीयता बरतना हितकारी है मगर ऐसे किसी भी संकट के प्रति सरकार को सेना को सतर्क भी रखना होगा। मेक इन इंडिया के लॉन्च के बाद यानी 2014-15 से 2023-24 तक भारत का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। रक्षा मंत्रालय ने 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 193 अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि इनमें से 92% घरेलू रक्षा उद्योग को दिए गए। रक्षा उपकरणों पर आत्मनिर्भरता देश की सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह उन महाशक्तियों के लिए भी चुनौती है, जिनका इस क्षेत्र में एकक्षत्र राज रहा है। रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के चलते अब 65% रक्षा उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित हो रहे हैं। चूंकि रक्षा मंत्रालय की ऑडिट रिपोर्टस सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं होतीं इसलिए सरकार व सैन्याधिकारियों का जिम्मा है कि अपनी समीक्षा स्वयं करें। हालांकि लंबे समय से रक्षा विभाग की मीडिया नीति को लेकर विवाद रहा है। गोपनीय या संवेदनशील रिपोर्ट के अतिरिक्त अन्य लेखा परीक्षक सूचनाओं के आधार पर नियम बनाए जा सकते हैं ताकि किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ियों से रक्षा विशेषज्ञों, संबंधित विश्लेषकों आदि को प्रचारित/प्रसारित किए बगैर विचार का मौका प्राप्त हो। आंतरिक समीक्षा के बावजूद पारदर्शिता देश और देशवासियों के हित में कम आवश्यक नहीं कही जा सकती।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरूआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्वालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भडका। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है।

और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है न्यू अग्रवाल पनीर भंडार। इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान लालाजी पनीर भंडार के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का संगम शुद्ध शाकाहारी होटल बन गया सलीम ढाबा। मां भवानी जूस कार्नर का नाम हो गया फहीम जूस केंद्र। टी प्वाइंट का नाम हो गया अहमद टी स्टाल। ऐसे ही नीलम स्वीट्स का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के चीतल ग्रैंड के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे जनता वैष्णो ढाबा का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना गणपति ढाबा बेच दिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है।

अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मजबूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को

अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मजी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से खरीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके।

वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है!

(स्वतंत्र पत्रकार)

भ्रष्टाचार : आईसीयू में मेडिकल सिस्टम

आर.के. जैन

जब एक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और उसकी नींव मानी जाने वाली मेडिकल शिक्षा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाए तो यह केवल एक घोटाला नहीं, बल्कि लाखों लोगों के भरोसे और भविष्य पर सीधा हमला है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल में सनसनीखेज खुलासे के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) और निजी मेडिकल कॉलेजों के बीच गहरे भ्रष्टाचार के जाल को उजागर किया है। 34 लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी ऐसी सच्चाई सामने लाई है, जो न केवल मेडिकल शिक्षा की विसनीयता, बल्कि स्वास्थ्य तंत्र के प्रति जनता का विश्वास भी हिलाती है।

यह घोटाला स्वास्थ्य मंत्रालय के गलियारों से शुरू होता है, जहां अधिकारियों ने बिचौलियों और निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ मिल कर ऐसा तंत्र बनाया जो नियमों को तोड़ने-मरोड़ने का पर्याय बन गया।

गोपनीय दस्तावेज की चोरी, निरीक्षण कार्यक्रम लीक होना, और मूल्यांकनकताओं की जानकारी कॉलेजों तक पहुंचना-सब सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। इस सेटिंग ने मेडिकल कॉलेजों को वह मौका दिया जिसके जरिए वे निरीक्षण प्रक्रिया को धोखे में बदल सके। कॉलेजों ने इस अवसर का पूरा फायदा उठाया। फर्जी संकाय की नियुक्ति, काल्पनिक मरीजों को भर्ती दिखाना और बायोमेट्रिक उपस्थिति पण्राली में हेरफेर जैसे हथकंडे अपनाए गए। यह सब रित के खेल का हिस्सा था, जहां लाखों रुपये हवाला के जरिए लेन-देन किए गए। यह धन न केवल व्यक्तिगत लाभ, बल्कि सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों के नाम पर भी इस्तेमाल हुआ। खुलासा सवाल उठाता है कि क्या पवित्रता का मुखौटा पहन कर भ्रष्टाचार को छिपाना अब आम बात हो गई है?

मेडिकल शिक्षा का उद्देश्य कुशल और नैतिक डॉक्टर तैयार करना है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करें लेकिन जब यह प्रक्रिया ही भ्रष्टाचार से ग्रस्त हो तो पढ़ कर निकलने वाले डॉक्टरों की गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजिमी है। यह घोटाला मेडिकल शिक्षा की वैश्विक साख पर गहरा प्रहार करता है। भारत, जो चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर जाना जाता है, ऐसे घोटालों के कारण विसनीयता खो रहा है। उन लाखों छात्रों का क्या जो भारी-भरकम फीस चुका कर इन कॉलेजों में पढ़ते हैं? क्या उनकी मेहनत और सपने भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ जाएंगे?

यह घोटाला मेडिकल शिक्षा तक सीमित नहीं है। इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव भी गंभीर हैं। निजी मेडिकल कॉलेजों का व्यावसायीकरण पहले ही शिक्षा को विलासिता बना चुका है। मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए मेडिकल शिक्षा का सपना और दूर हो जाता है। हवाला के जरिए रित का लेन-देन अर्थव्यवस्था को खोखला करता है। यह धन, जो जनकल्याण के लिए उपयोग हो सकता था, भ्रष्टाचार के काले गलियारों में गायब हो रहा है। धार्मिक-सामाजिक कायरे के नाम पर इसका इस्तेमाल न केवल नैतिकता पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज के प्रति गहरे विश्वासघात को भी दशार्ता है। यह घोटाला एनएमसी की कार्यपण्राली पर भी सवाल उठाता है।

एनएमसी को भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था लाने के लिए बनाया गया था, लेकिन इस घोटाले ने तमाम दावों की पोल खोल दी। स्पष्ट है कि नियामक ढांचे में गहरी खामियां हैं। निरीक्षण प्रक्रिया को डिजिटल और स्वचालित करना, स्वतंत्र ऑडिट अनिवार्य करना, और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो इस तंत्र को मजबूत कर सकते हैं। यह सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारा भी दायित्व है कि हम शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को भ्रष्टाचार से मुक्त करने की दिशा में प्रयास करें।

यह घोटाला एक कड़वी सच्चाई सामने लाता है कि हमारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, लेकिन यह अवसर भी है-सुधार का अवसर, जवाबदेही का अवसर और ऐसी व्यवस्था बनाने का अवसर, जो नैतिकता और पारदर्शिता पर टिकी हो। सीबीआई की कार्रवाई एक शुरूआत है, लेकिन यह तभी सार्थक होगी जब इसके परिणामस्वरूप ठोस बदलाव आएं। हमें सुनिश्चित करना होगा कि मेडिकल शिक्षा का हर स्तर-प्रवेश से लेकर मान्यता तक-पारदर्शी और जवाबदेह हो।

यह न केवल उन छात्रों के लिए जरूरी है, जो अपने

सपनों को साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, बल्कि उन करोड़ों मरीजों के लिए भी जरूरी हैं, जिनका जीवन इन डॉक्टरों के हाथों में होता है। यह घोटाला चेतावनी है। बताता है कि हमारी व्यवस्था की कमजोरियों ने हमारे विश्वास से ठगी की है, और हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। हमारी मेडिकल शिक्षा को भ्रष्टाचार के इस काले साये से मुक्त कराना होगा। बेशक, यह लंबी लड़ाई है, लेकिन अगर हम एकजुट होकर भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ खड़े हों, तो हम एक ऐसी व्यवस्था बना सकते हैं, जो न केवल कुशल डॉक्टर तैयार करेगी बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी निभाएगी। आइए, इस घोटाले को सबक बनाएं और एक नये, पारदर्शी और नैतिक भारत की नींव रखें।

गुरु-शिष्य की पवित्र परम्परा का महामहोत्सव है, गुरु पूर्णिमा

भारत की पवित्र भुमि सैदव ऋषि मुनियों,संतों साधुओं, महापुरुषों व विभिन्न अवतारों में ना केवल अवतरित हुए बल्कि उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को साधना व तपों स्थली बनाकर आध्यात्म का अनोखी अलख जगाई है। भारत भुमि में अनेकों अवतारों,ऋषि-मुनियों , देवों,संत-साधु फकीरों व सच्चे साम्थर्य गुरुओं की पहली पंसद रही है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण विभिन्न युगों में स्वयं भगवान विभिन्नअवतारों के रूप में ना अवतरित हो कर मानव का कल्याण किया है।हमारे यहाँ गुरु-शिष्य की परम्परा अति प्राचीन है।जिसका वर्णन हमारे वेद,पुराण व शास्त्रों में उल्लेख है। इसी श्रंखला में जब मानव त्रितापो से त्रस्त है,वह अपने उपर माया के आवरण व अज्ञानता के अंधकार में भटक रहा है।स्वयं मै भी इस त्राण से तड़प रहा था तभी मुझे एक परिचित के माध्यम से अन्तराष्ट्रीय इस्सयोग समाज के संस्थापक - महात्मा सुशील कुमार व माँ विजया से ना केवल सम्पर्क हुई बल्कि उन्होंने मुझे शक्तिपात दीक्षा देकर मुझे अनुग्रहित है।यह घटना मेरे जीवन में 25 बर्ष पूर्व सन् 2000 की है। मेरे जीवन में आमूल परिवर्तन हुआ ।तभी से अपने सदुरू -सद् गुरूदेव माँ के सान्धिय में हुईं।इस वर्ष 10 जुलाई को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित- गौर्स सरोवर प्रेमियर-गौर सिटी पताः जीएच-01,सेक्टर 04, ग्रेटर नोएडा वेस्ट रोड,ग्रेटर नोएडा, यूपी में अन्तराष्ट्रीय इसस्योग समाज का गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव व दिव्य आयोजन किया गया है। दिल्ली व एन सी आर के इस्सयोगी इस आयोजन के सफल आयोजन के लिए सदुरू देव - माँ की दिव्य उपस्थित हेतू अपने पलक - पावड़े विछायें हुए दिन रात मेहनत कर रहें है। इस अवशर पर भारत के विभिन्न राज्यो के अलावें सात समुंदर पार से भी बड़ी इस्सयोगी गुरु पूर्णिमा मनाने आ रहे है। ऐसे में मेरी लेखनी भी गुरु - गुरुपूर्णिमा के गुरु पूर्णिमा के संदर्भ में आप सबसे चर्चा करने से अपने आपको रोक नही पा रहा हूँ। सर्ववदित रहे कि हमारी सनातन संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ स्थान दिया गया है।संत कबीर कहते है -'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥ 'गुरु' शब्द का अर्थ होता है 'अंधकार (अज्ञान) को दूर कर प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले जाने वाला'। गुरु वह होता है जो शिष्य के जीवन को दिशा देता है, उसके भीतर स्थित आत्मा को जागृत करता है और उसे आत्मबोध की ओर ले जाता है! 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुदेवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥' यह श्लोक गुरु के महत्व और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान के प्रति आभार व्यक्त करता है,जो हमें अज्ञान के अंधकार से निकाल कर सत्य का प्रकाश दिखाते हैं। .यह गुरु को सर्वोच्च स्थान देता है,जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान ही शक्ति और महिमा रखते हैं। गुरु की सेवा की जाए, तो वह सेवा ईश्वर तक ही पहुँचती है। 'शिष्य' वह होता है जिसमें सीखने की तड़प हो,श्रद्धा रखता हो और अपने जीवन में गुरु के उपदेशों को आत्मसात करने की उत्कंठा रखता हो। शिष्यता केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है,बल्कि अहंकार का त्याग कर समर्पण के भाव से गुरु के चरणों में लीन होना है। प्राचीन काल में शिक्षा का प्रमुख माध्यम गुरुकुल व्यवस्था थी, जहाँ शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे।यहाँ शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती थी, बल्कि धर्म, नीति, व्यवहार, अस्त्र-शस्त्र, संगीत, योग और आत्म ज्ञान की भी शिक्षा दी जाती थी। उदाहरणस्वरूप, स्वयं प्रभु श्रीराम ने ऋषि वशिष्ठ एवं विश्वामित्र से शिक्षा प्राप्त की; शोलह कलाओं से युक्तश्री कृष्ण ने ऋषि सन्दीपन से शिक्षा प्राप्त की।सक्ष्म गुरु केवल शास्त्रों का ही ज्ञाता नहीं होता,वह शिष्य की आत्मा का चिकित्सक भी होता है।जब शिष्य अपने संदेहों,भ्रमों और अहंकारों से मुक्त होकर गुरु के सान्निध्य में आता है,तब उसे आत्म साक्षात्कार का मार्ग प्राप्त होता है। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए शंकराचार्य ने कहा है : 'ज्ञानदान करनेवाले सदुरुओं की उपमा इस त्रिभुवन में कहीं भी नहीं मिलती। यदि उन्हें पारस की उपमा दी जाए, तो भी वह अधूरी ही रहेगी; क्योंकि पारस लोहे को स्वर्ण तो बना सकता है, परंतु उसे अपना 'पारसत्व' नहीं दे सकता।' 'कल्पवृक्ष की उपमा दी जाए तो भी कम है, क्योंकि कल्पना करने से उसका महिमा मिलता है। परंतु बिना कल्पना किए ही जो इच्छा पूर्ण कर दे,वह कामधेनु स्वरूप श्रीगुरु ही हैं।'वास्तव में 'गुरु को उपमा देने योग्य कोई भी वस्तु इस जगत में नहीं है।सबसे बड़ा प्रमाण गुरु शिष्य पवित्र परंपरा का महामहोत्सव है।गुरु पूर्णिमा।जैसा कि आप सभी को मालुम है कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास जी का जन्म हुआ था।ऐसी मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्यों सप्त ऋषियों को सबसे पहले योग का दिव्य ज्ञान प्रदान किया था। तदोपरान्त इस ज्ञान को लेकर सप्तऋषि पूरी दुनिया में गए। तभी से गुरु शिष्य की पवित्र परम्परा चली आ रही है। गुरु शिष्य पवित्र परंपरा का महोत्सव है गुरु पूर्णिमा। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। ऐसी मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्यों सप्त ऋषियों को सबसे पहले योग का दिव्य ज्ञान प्रदान किया था।सप्तऋषि इस ज्ञान को लेकर पूरी दुनिया में गए। गुरु पूर्णिमा का दिन वह समय है जब साधक गुरु को अपना आभार अर्पित करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।साधक जब अपने सदुरू के सान्धिय में आध्यात्म के पथ पर साधना और ध्यान का अभ्यास करते हुए अपने जीवन को सफल बनाने के लिए निकल पड़ते है। यह पवित्र पावन दिवस को गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन मा ना गया है। गुरू पूर्णिमा के महा महोत्सव में कलम के सिंपाई भी अपनी सेवा, श्रद्धा, समर्पण के भाव पुष्प अपने सदुरूदेव - माँ के युगल श्री चरणों में यह कहते हुए 'जिन हथेलियों पर आपने दिये थे छड़ी के निशान,हम हमेशा ही रहे आप के दिव्य ज्योति से रहे अजान।आपने हमें पल पल कराते थें , बह्म दंशन का ज्ञान। आप ही तो है ,मेरे कृपा निधान '। सदुरुदेव माँ की छत्र छाया अपने मानस संतानो पर सैदव बनी रहें। आप को गुरुपूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं ।

अमरोहा जिले में यतींद्र कटारिया का मंच संचालन: एक अनोखी प्रतिभा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में यतींद्र कटारिया एक ऐसा नाम है, जो मंच संचालन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उनकी वाकपटुता, आत्मविश्वास और दर्शकों को बांधे रखने की कला ने उन्हें स्थानीय स्तर पर खासा लोकप्रिय बना दिया है। चाहे सामाजिक समारोह हो, सांस्कृतिक कार्यक्रम हो, धार्मिक आयोजन हो या कोई अन्य सार्वजनिक मंच, यतींद्र कटारिया का मंच संचालन हर आयोजन को जीवंत और यादगार बना देता है। उनकी खासियत यह है कि वे न केवल अपनी वाणी से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं, बल्कि आयोजन के माहौल को भी ऊजार्वान बनाए रखते हैं। यतींद्र कटारिया का मंच संचालन केवल बोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी प्रस्तुति में हास्य, संवेदनशीलता और गंभीरता का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। वे दर्शकों की नब्ज को समझते हैं और उसी के अनुरूप अपनी प्रस्तुति को ढाल लेते हैं। चाहे वह स्थानीय पंचायत का छोटा-सा आयोजन हो या फिर जिले के बड़े सांस्कृतिक महोत्सव, यतींद्र हर मंच पर अपनी छाप छोड़ते हैं। उनकी सहजता और त्वरित हाजिरजवाबी दर्शकों को आकर्षित करती है, जिससे वे हर आयोजन का मुख्य आकर्षण बन जाते हैं। हाल ही में अमरोहा में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में यतींद्र कटारिया ने अपनी मंच संचालन की कला का शानदार प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों और राष्ट्रीय स्तर के अतिथियों ने भाग

लिया था। यतींद्र ने न केवल सभी कलाकारों का परिचय करवाया, बल्कि दर्शकों के साथ उनकी बातचीत को भी रोचक बनाया। उनकी हास्य भरी टिप्पणियां और स्थानीय संस्कृति से जुड़े किस्से दर्शकों के बीच खूब सराहे गए। एक दर्शक ने टिप्पणी की, "यतींद्र जी के संचालन ने इस कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। उनकी हर बात में एक अलग ही जादू था।" यतींद्र कटारिया की इस कला का विकास रातोंरात नहीं हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत छोटे-छोटे आयोजनों से की थी, जहां उन्होंने स्थानीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को निखारा। समय के साथ उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें अमरोहा जिले में मंच संचालन का पर्याय बना दिया। उनकी खासियत यह है कि वे स्थानीय बोली और संस्कृति को अपनी प्रस्तुति में शामिल करते हैं, जिससे दर्शक तुरंत उनसे जुड़ाव महसूस करते हैं। इसके अलावा, उनकी समय प्रबंधन की समझ और आयोजन के प्रवाह को बनाए रखने की क्षमता भी उन्हें अन्य संचालकों से अलग बनाती है। हाल की खबरों के अनुसार, यतींद्र कटारिया को अमरोहा के कई बड़े आयोजनों में आमंत्रित किया गया है, जहां उनकी उपस्थिति आयोजन की सफलता की गारंटी मानी जाती है। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लोग अब उनके नाम के आधार पर आयोजनों में शामिल होने का निर्णय लेते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यतींद्र का मंच संचालन न केवल मनोरंजक होता है, बल्कि यह आयोजन को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है। यतींद्र कटारिया न केवल एक मंच संचालक हैं, बल्कि एक प्रेरणा भी हैं। उनकी सफलता यह दशार्ती है कि मेहनत, लगन और अपनी कला के प्रति समर्पण से कोई भी व्यक्ति अपने क्षेत्र में शिखर तक पहुंच सकता है। अमरोहा जैसे छोटे शहर में अपनी प्रतिभा के दम पर इतनी लोकप्रियता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन यतींद्र ने इसे संभव कर दिखाया। भविष्य में भी उनके मंच संचालन की कला से अमरोहा के आयोजन और अधिक रंगीन और जीवंत होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है।

कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज में किया गया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलें की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आव्हान पर तथा जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर प्रवेश यादव के निदेर्शानुसार अमरोहा शहर के कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाये गये। प्रधानाचार्य सीपीसिंह के नेतृत्व में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत विद्यालय प्रांगण में नीम, अमरुद, बेल ,अशोक आदि के पौधे लगाए गये। प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को अपने घर एवं आसपास भी एक वृक्ष लगाने एवं उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संतराम सिंह यादव, सुधीर कुमार पाठक ,महेश कुमार शर्मा ,अरविंद कुमार शर्मा,दिग्विजयसिंह,आलोक कुमार यादव आदि उपस्थित रहे। समस्त स्टाफ ने भी अपने घर तथा आसपास वृक्ष लगाने व उसकी देखभाल करने का प्रण लिया।

समाजवादी छात्र सभा ने राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्मा:- बुधवार को समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष अनुज त्यागी उर्फ गोलू के नेतृत्व में सैकड़ों समाजवादी छात्र सभा के पदाधिकारियों ने अमरोहा जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उनका कहना है कि भाजपा सरकार के द्वारा लगभग 5000 सरकारी प्राइमरी स्कूल बंद कर उनमें पढ़ने वाले अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यकों तथा गरीब किसानों के बच्चों को अन्य स्कूलों में विलय करने की नीति

पर काम कर रही है। जिसका उन बच्चों पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई बाधित हो सकती है। जो की दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार का उद्देश्य नौकरी खत्म करना और बच्चों को शिक्षा से वंचित करना उनके मौलिक अधिकारों का हनन करना है। जिसे हर हाल में रोका जाए। एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार सर्व शिक्षा अभियान के तहत "सभी पढ़ें सभी बढ़ें"का नारा देती है तथा दूसरी तरफ देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर उनका भविष्य चौपट करने पर तुली है। यदि सरकार द्वारा स्कूल बंद करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया जाता है तो समाजवादी छात्र सभा पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन करेगी। ज्ञापन सौंपने बालों में गुड्डु प्रधान आमिर फरहान अख्तर अंशू ऋषभ सचिन सोनी दीपक अदनान कासिम शोभित जसवीर मारुफ मजहर मलिक अंकित पवन आदि लोग मौजुद रहे

नगर पालिका पार्क में एक पौधा माँ के नाम अभियान के तहत किया गया पौधारोपण

भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगाए 12 विभिन्न प्रजातियों के पौधे

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्मा:- योगी सरकार एवं शीर्ष भाजपा संगठन के निदेर्शानुसार चल रहे "एक पौधा माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत सोमवार को नगर पालिका परिषद हसनपुर स्थित पार्क में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान को समर्पित भाव से समाज में वृक्षारोपण की महत्ता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के लगभग 12 पौधे लगाए गए।कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के पश्चात भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका परिसर में स्थित स्वतंत्रता सेनानी एवं अमर शहीद भगत सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस भावपूर्ण क्षण में सभी ने राष्ट्रप्रेम और शहादत की प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता एवं अतुल गर्ग, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, आईटी संयोजक एवं पूर्व शक्ति केंद्र प्रभारी अर्पण गुप्ता, भाजपा नेता एवं शक्ति केंद्र संयोजक विक्रांत शर्मा, भाजपा नेता इशांत सैनी, मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा महेश अग्रवाल, ओबीसी मोर्चा के श्याम प्रजापति एवं धर्मवीर सिंह सैनी, सेक्टर संयोजक विजय लोधी, भाजपा नेता विक्रम महंत, नगर पालिका के सभासद एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम तिगिरिया खादर में किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अश्वनी कुमार मिश्र ने अपने परिवार के साथ ग्राम तिगिरिया खादर में वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह आयोजन न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए था, बल्कि सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने का भी एक प्रयास था। इस कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह आयोजन और भी विशेष बन गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण केवल पेड़ लगाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर योगदान देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार के साथ मिलकर कई पौधे लगाए, जिनमें नीम, पीपल, बरगद और अमरूद जैसे पेड़ शामिल थे। ये पौधे न केवल पर्यावरण को शुद्ध करेंगे, बल्कि स्थानीय जैव विविधता को भी बढ़ावा देंगे। ग्राम तिगिरिया खादर में आयोजित इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन और वन विभाग के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सीडीओ ने ग्रामीणों से अपील की कि वे न केवल पौधे लगाएं, बल्कि उनकी देखभाल भी करें ताकि ये पौधे बड़े होकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा, "एक वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है। यह हमें छाया, फल और शुद्ध हवा देता है। हमें इसे संरक्षित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।" इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने भी वृक्षारोपण में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। बच्चों ने रंगोली बनाकर और नारे लगाकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला वन अधिकारी ने बताया कि इस तरह के आयोजन जिले में नियमित रूप से किए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक हों। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष जिले में लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में लगाया जाएगा। सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने इस आयोजन को सामुदायिक एकता का प्रतीक बताया और कहा कि जब प्रशासन और जनता मिलकर काम करते हैं, तो सकारात्मक बदलाव संभव हो पाता है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अपने आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और प्लास्टिक के उपयोग को कम करें।

सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल में किया पौधारोपण अभियान के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- खतियान मोहल्ला स्थित सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल नगर क्षेत्र चंदौसी में पौधारोपण अभियान के अंतर्गत मातृत्व सम्मान को समर्पित "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, वार्ड मेंबर और गणमान्य अतिथियों ने माँ के नाम पर पौधारोपण कर एक भावनात्मक संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि जब पेड़ माँ के नाम हों, तो हरियाली भी आशीर्वाद बन बन जाती है, मां और प्रकृति दोनों जीवन दायनी है। यदि हम माँ से सच्चा प्रेम करते हैं, तो हमें माँ धरती की भी उतनी ही निष्ठा से सेवा करनी चाहिए। यह आयोजन बच्चों में संवेदना और जिम्मेदारी जगाने का प्रयास है। वार्ड मेंबर श्री तरुण नीरज ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, यह अभिनव पहल पर्यावरण के प्रति जागरूकता का सुंदर उदाहरण है। लाला लाजपत के प्रधानाचार्य अभिषेक कुमार गुप्ता ने कहा एक पेड़ माँ के नामह्ल भावनाओं और कर्तव्य का संगम है, जो विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ता है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व दोनों विकसित होते है कार्यक्रम में विविध प्रजातियों के छायादार व औषधीय पौधे रोपे गए। नीम, जामुन, अमरूद, अनार, शीशम, आदि के पौधे प्रमुखता से लगाए गए। विद्यार्थियों ने पौधों की देखभाल का संकल्प लेते हुए इसे अपनी माँ को समर्पित किया। कार्यक्रम में कक्षा चार टोलिया बनाकर बच्चों अपने आसपास खाली पड़े क्षेत्र में पौधे लगाने की एवं संरक्षण करने की जिम्मेदारी सौंप गई। बच्चों और अभिभावकों के साथ वृक्ष और उनके महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। बच्चों में निबंध प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जीतने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को पौधे उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। एक पेड़ माँ के नाम, माँ को श्रद्धांजलि, प्रकृति को संजीवनी कार्यक्रम में डॉ दुर्गा टंडन ,अभिषेक गुप्ता, तरुण नीरज, बीनू शर्मा, आयुषी गुप्ता, प्रेमपाल, मनीष, संध्या आदि विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर स्कूल के बच्चों तथा जनता को किया गया जागरूक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात और प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान के नेतृत्व में कस्बा बहजोई के वार्ष्णेय इंटर कालेज चौराहे पर एक विशेष यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के बच्चों को शामिल करते हुए आम जनता को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान द्वारा किया गया, जिसमें बच्चे हाथों में स्लोगन लिखे चार्ट पेपर लेकर चौराहों पर खड़े हुए और वाहन चालकों को जागरूक किया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल नियमों की जानकारी देना था, बल्कि भावी पीढ़ी यानी बच्चों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुँचाना भी था। इस मुहिम में ट्रैफिक पुलिस टीम ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी और सुरक्षित यात्रा के लिए प्रेरित किया। यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबल सोनू अहलावत द्वारा बताया गया हमारा प्रयास है कि हर नागरिक न केवल नियमों का पालन करे, बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे। बच्चों का उत्साह सराहनीय रहा और उनकी भागीदारी ने इस अभियान को और भी प्रभावी बना दिया। इस अभियान को आमजन और स्थानीय स्कूल प्रशासन ने भी सराहा और ऐसे जागरूकता प्रयासों को लगातार जारी रखने की मांग की।

मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने परिवार के साथ आवास पर किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए अमरोहा जिले के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अश्वनी कुमार मिश्र ने अपने परिवार के साथ अपने सरकारी आवास पर वृक्षारोपण किया। यह आयोजन विश्व पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक रहा। इस अवसर पर उन्होंने न केवल पौधे रोपे, बल्कि आम जनता से भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने अपने आवास के परिसर में आम, नीम, पीपल और अशोक जैसे पौधे लगाए। उनके साथ उनकी पत्नी, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इस कार्य में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा,

"वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। ये हमें ऑक्सीजन, छाया और स्वच्छ हवा प्रदान करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए।" इस अवसर पर सीडीओ ने जिले में चल रही वृक्षारोपण योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमरोहा जिले में शासन के निर्देश पर विभिन्न ब्लॉकों में मॉडल गांवों का चयन किया गया है, जहां बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थानों पर भी पौधरोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में इस वर्ष लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सीडीओ ने ग्रामीणों और युवाओं से अपील की कि वे न केवल पौधे लगाएं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि पौधों को जियो-टैगिंग के माध्यम से ट्रैक किया जा रहा है, ताकि उनकी वृद्धि और संरक्षण पर नजर रखी जा सके। इस आयोजन में स्थानीय प्रशासन के कुछ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने सीडीओ के इस प्रयास की सराहना की। अश्वनी कुमार मिश्र के इस कदम से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिला, बल्कि जिले के लोगों में भी हरियाली के प्रति जागरूकता बढ़ी। यह पहल अन्य अधिकारियों और नागरिकों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन रही है

निजीकरण का विरोध करने वालों के साथ देगा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने आज मुरादाबाद रोड स्थित बिजली विभाग के विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में चल रहे निजीकरण के विरोध में सांकेतिक धरने पर पहुंचकर व्यापार मंडल का समर्थन पत्र सोपा। इस मौके पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संभल जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर ने कहा कि निजीकरण से व्यापारियों को किसानों को आम जनता को नुकसान है और सरकार से मांग की जाती है कि निजीकरण पर रोक लगाई जाए। प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी ने कहा कि निजीकरण करने से सबसे ज्यादा नुकसान आम जनता पर पड़ेगा क्योंकि प्राइवेट कंपनियां अपनी मनमर्जी के मुताबिक विद्युत दरें तय करेंगे जिसका सीधा-सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा क्योंकि व्यापार मंडल हमेशा प्राइवेट कंपनियां का विरोध करता चला आ रहा है इसलिए बिजली विभाग के कर्मचारियों के संयुक्त धरने का पूर्ण समर्थन व्यापार मंडल कर रहा है। जिला संगठन मंत्री उमेश वार्ष्णेय ने कहा की जितनी बड़ी-बड़ी कंपनियां इस वक्त सरकार के संपर्क में वह सिर्फ छोटे व्यापार को खत्म करना चाहती है। निजीकरण किसी चीज का भी हो इसमें नुकसान आम नागरिकों का कर्मचारियों का किसानों का व्यापारियों का होता है इसलिए हम निजीकरण का पुरजोर विरोध करते हैं और सरकार से मांग कर रहे है बिजली विभाग के अलावा अन्य विभागों के भी निजीकरण पर रोक लगाई जाए। धरना स्थल पर प्रेम ग्रोवर, उमेश वार्ष्णेय, शाह अलम मंसूरी, अजीत सिंह आदि व्यापारी मौजूद रहे।

राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा महामंडलेश्वर द्वारा सम्मानित

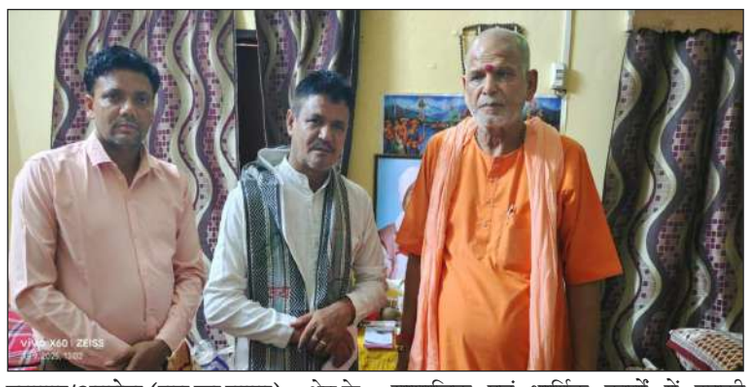

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव शेखूपुर झकड़ी स्थित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के परिसर में चल रहे गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं श्रीराम कथा के भव्य आयोजन के दौरान, ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक एवं महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज ने राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक, भारतीय किसान संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण कुमार शर्मा को सम्मानित किया। उन्हें सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में उनकी ईमानदारी एवं सक्रिय भूमिका के लिए भगवान श्रीराम का पटका पहनाकर यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर कृष्ण कुमार शर्मा ने अपने सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन क्षेत्र में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े कार्यों और उनके आदर्शों का प्रसार करता है। उन्होंने जोर दिया कि लोगों को भगवान मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, क्योंकि उनका जीवन त्याग, धर्म और सेवा का प्रतीक है। श्री शर्मा ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हैं। महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज ने कृष्ण कुमार शर्मा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका समर्पण समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव और श्रीराम कथा का उद्देश्य न केवल आध्यात्मिक जागृति लाना है, बल्कि समाज में सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देना भी है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने इस सम्मान समारोह को सराहा। यह आयोजन क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बन गया है।

अमरनाथ जी से दर्शन कर बबराला लौटा जत्था

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अमरनाथ बाबा बफानीं एवं माता वैष्णो देवी की दर्शन के लिए एक जत्था बबराला से गया था मंगलवार को उक्त जत्था दर्शन के उपरांत यात्रा कर वापस लौटा। दर्शन कर यात्रा करके लौटने वालों में विनय कुमार वार्ष्णेय एडवोकेट रेलवे सलाहकार सदस्य एवं राजीव महेश्वरी, सुभाष यादव, राजन गुप्ता, दीपक गुप्ता, विनीत गुप्ता, राजीव प्रजापति, सचिन सक्सेना, अंकुर, शुभांशु मौजूद रहें। सभी लोगों का बबराला आने पर पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में सभासद मीना गुप्ता एवं सुखदेव वार्ष्णेय एडवोकेट आस्था वार्ष्णेय, राजकुमार, विनीत कुमार गुप्ता, पुनीत कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

एक पौधा मां के नाम के अंतर्गत किया गया वृक्षारोपण

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद भर में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत एक पौधा मां के नाम अंतर्गत रहरा में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कृपाल सिंह के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मात्र सम्मान को समर्पित भाव से समाज में वृक्षारोपण की महत्ता को बढ़ावा देना है।

श्री वार्ष्णेय युवा समूह चन्दौसी करेगा वार्ष्णेय समाज के मेधावियों का सम्मान

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- श्री वार्ष्णेय युवा समूह (रजि.) चन्दौसी की आम सभा का आयोजन समूह प्रधान सचिव श्री मंगेश वार्ष्णेय के निवास पर किया गया जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि श्री वार्ष्णेय युवा समूह द्वारा 31वॉ वार्ष्णेय मेधावी छात्र छात्रा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 7 सितम्बर 2025 दिन रविवार को दोपहर 11 बजे से श्री बारहसैनी सेवा सदन, रामबाग धाम, चन्दौसी में किया जायेगा जिसमें चन्दौसी वार्ष्णेय समाज के उन सभी छात्र/छात्राओं को जिन्होंने हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट परीक्षा 70% या उससे अधिक एवं स्नातक/परास्नातक परीक्षा प्रथम श्रेणी में/ व्यवसायिक परीक्षा जैसे- CA, CS, MBA, MCA, LLB, MBBS आदि परीक्षा वर्ष 2025 में उत्तीर्ण की है, सम्मानित करेगा। प्रतिभागी अपनी अंक तालिका एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ राधे कास्मेटिक्स, घास मण्डी, चन्दौसी पर जमा कर दें। सभा की अध्यक्षता डॉ. सौरभ वार्ष्णेय एवं संचालन मंगेश वार्ष्णेय ने किया। सभा में समूह संरक्षक मुकेश वार्ष्णेय ब्रेड वाले, सौरभ वार्ष्णेय कंप्यूटर्स, सुनील गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, एड अंकित वार्ष्णेय, एड पीयूष वार्ष्णेय, जतिन वार्ष्णेय ए आर फूड्स, राहुल वार्ष्णेय आदि सदस्य उपस्थित रहे। सभा मे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्ष्णेय समाज के एक अवकाश प्राप्त शिक्षक को वार्ष्णेय शिक्षक रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

कांधला/शामली (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड कांधला मे चौधरी रणबीर सिंह कृषि फार्म, जसाला पर कृषि विभाग के तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, ग्रामीणों मौजूद रहे। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र का विस्तार तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। कार्यक्रम में जामुन, नीम, पीपल, अशोक, सागौन व अर्जुन जैसे छायादार एवं औषधीय गुणों से भरपूर पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग के सहायक विकास अधिकारी कृषि जयदेव कुमार ने बताया कि वृक्षों का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। वे न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि जलवायु को संतुलित रखने, भूमि कटाव रोकने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में भी सहायक है। सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा कृष्णावतार ने वर्तमान मे संचारी रोग नियंत्रण अभियानअन्तर्गत चुहा व छछूंदर नियंत्रण के बारे मे बताया कि संचारी रोग नियंत्रण ग्राम पंचायत स्तर पर चूहे एवं छछूंदर नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विभाग एवं कृषि रक्षा अनुभाग कृषि विभाग के संयुक्त प्रयास से किया गया। यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में फैलने वाले खतरनाक रोगों जैसे प्लेग, लेप्टोस्पायरोसिस आदि की रोकथाम के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। चूहे व छछूंदर खेतों, घरों और अनाज भंडारण स्थलों में न केवल क्षति पहुंचाते हैं बल्कि गंभीर बीमारियों के वाहक भी होते हैं। इनके नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाने की आवश्यकता है, जिनमें विष दानों का उचित प्रयोग, साफ-सफाई बनाए रखना एवं संभावित बिलों को बंद करना शामिल है। इस अवसर पर सन्नी, अमित कुमार, सुमित, कुलदीप, निर्भयपाल, तरुण, कृष्णपाल, आदि मौजूद रहे।

हज 2026 के फॉर्म 31 जुलाई तक भरवा लें:- तकी अशरफ एडवोकेट

सम्भल(सब का सपना):- जिला हज ट्रेनर तकी अशरफ एडवोकेट ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया के सर्कुलर के अनुसार जो लोग अगले साल यानी 2026 में हज की पवित्र यात्रा पर जाना चाहते हैं वे लोग अपने फॉर्म ऑनलाइन 31 जुलाई तक भरवा लें। हज 2026 के फॉर्म ऑनलाइन आ गए हैं जिसकी लास्ट डेट 31 जुलाई 2025 है। जिन लोगों के पासपोर्ट पुराने बने हुए हैं उनके पासपोर्ट की वैलिडिटी 31 दिसम्बर 2026 तक होनी चाहिए। 65 साल से ज्यादा उम्र वालों के साथ एक 60 साल से कम वाला व्यक्ति साथ जाने के लिए होना चाहिए। इस बार अगर कोई कम दिनों का हज करना चाहता है तो उसके लिए हज कमेटी ने 20 दिन का हज किया है लेकिन यह लिमिटेड लोगों के लिए होगा अगर ज्यादा फॉर्म भरे जाएंगे तब ड्रॉ के जरिए लोगों का चयन किया जाएगा। आमतौर पर हज यात्रा 38 से 42 दिनों तक होती है। जो लोग चाहें तो नॉर्मल हज यानी 40 दिन वाला भी कर सकते हैं। हज के लिए जरूरी दस्तावेज पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक की पासबुक/ कैंसिल चैक, फोटो, नॉमिनी का आधार कार्ड, मोबाइल नम्बर, ईमेल आईडी जिला सम्भल के हज के फॉर्म उत्तर प्रदेश हज कमेटी द्वारा गठित हज ई-सुविधा केन्द्र मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मण्डी सम्भल में भरे जाएंगे। पवित्र हज यात्रा 2026 के बारे कोई भी जानकारी हासिल करने के लिए राब्ता करें।

भारतीय मानव कल्याण समिति ने वन महोत्सव के अवसर पर किया वृक्षारोपण

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- भारतीय मानव कल्याण समिति के तत्वाधान में सीता आश्रम स्थित मंदिर परिसर में वन महोत्सव - 2025 के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। समिति प्रबन्धक डॉ टीएस पाल ने बताया इस वर्ष के वन महोत्सव का विषय " एक पौधा माँ के नाम " है।हम सभी को अपनी माताओं के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है ।चाहे वे जीवित हों या दिवंगत और उस पौधे को उसी देखभाल, प्यार और समर्पण के साथ पोषित करें जिस तरह एक माँ अपने बच्चे को पोषित करती है। पौधरोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। समिति सदस्यों ने इस पहल को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी के रूप में लिया और भविष्य में भी इस प्रकार के प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया।कार्यक्रम संयोजक डॉ जयशंकर दुबे ने कहा समिति वर्ष में एक बार ही वृक्षारोपण करती है जिसमे एक सौ एक पौधे लगाती हैं।तथा समिति सदस्यों को 5 - 5 पौधों की देखभाल हेतु जिम्मेदारी सौंपती है।ताकि पर्यावरण संरक्षण में हम सबकी सहभागिता हो सके। आज शीशम, नीम, लिप्ट्स, जामुन, अर्जुन, शीर्ष, गुड़ेल आदि के पौधे लगाए गए।एड. हरीश कठैरिया, सुशील भोलेनाथ, डॉ डीके अग्निहोत्री, आकाश कुमार शर्मा, राजवीर सिंह, मुनेश धनगर, मुनीश बाबू, पुष्पेंद्र मौर्य आदि उपस्थित रहे।

बेरोजगार कृषि स्नातक करे व्यवसाय एग्री जंक्शन

शामली (सब का सपना):- जनपद मे किसानो के हितार्थ कृषि विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओ का संचालन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन" (एग्रीजंक्शन) योजना मे जनपद शामली मे पांच केन्द्र खोले जायेगे। इस सम्बन्ध मे उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार कृषि स्नातकों के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर लाई है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने "प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन" (एग्रीजंक्शन) योजना की शुरूआत की है। जिसके तहत कृषि, डेयरी या फिर हॉर्टिकल्चर की पढ़ाई करने वालों को उद्यमी बनाया जाएगा। चयनित युवाओं को सरकार उद्यम चलाने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ खाद, बीज और दवा आदि की बिक्री करने का मुफ्त लाइसेंस भी देगी। इसके साथ ही चयनित युवाओं को सरकार की तरफ से लोन भी दिया जाएगा। जिससे युवा अपना उद्यम स्थापित कर पाएं। अगर आप भी इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं तो आपके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि एवं सम्बद्ध विषयों में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। योजना के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष तय की गई है। जिसमें अनुसूचित जाति, जनजाति एवं महिलाओं को आयु में अधिकतम 5 वर्ष की छूट दी जाएगी। कृषि स्नातक, कृषि व्यवसाय प्रबंधन स्नातक, कृषि विषय से पढ़ने वाले युवा 15 जुलाई तक इसका आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्रों की संख्या अधिक होने पर जिला स्तरीय समिति चयन करेगी। चयनित युवाओं को उद्यम स्थापना व संचालन का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। कृषि व्यवसाय के लिए जरूरी लाइसेंस फीस में छूट मिलेगी। बैंक से ऋण के ब्याज पर 7.5 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। केंद्र के लिए 1000 रुपये प्रति माह किराया भी मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति कार्यालय उप कृषि निदेशक, माजरा रोड शामली प्राप्त कर सकते है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के अन्तर्गत राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा, नई दिल्ली तथा मीहेयेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा जनपद न्यायालय अमरोहा में विवेक, जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में एक बैठक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के अनुक्रम में आहुत की गयी जिसका संचालन श्रीमति ज्याति, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा के द्वारा संचालन किया गया, आहुत बैठक में माननीय जनपद न्यायाधीश द्वारा सभी न्यायालयों में लम्बित ऐसे वाद जिनमें मध्यस्थता संभव हो सके, उनको जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित किया जाने हेतु निर्देशित किया गया और बताया गया कि सुलह-समझौते के माध्यम से अधिक-से-अधिक वादो का निस्तारण कराया जाये, जिससे वादकारियों को अधिक-से-अधिक सुलह-समझौते का लाभ पहुंचाया जा सकें। श्रीमति ज्याति, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा द्वारा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित श्रेणियों के मामलों को नध्यस्थता हेतु संदर्भित किये जा सकते है:-वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावें, घरेलू हिंसा, बैंक वांउस के वाद, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक वाय, ऋण वसूली के वाद, संपत्ति के बटवारे से संबंधित बाद, बेदखली से संबंधित वाद, भूमि अधिग्रहण के बाद, दिवानी वाद, उपभोक्ता से संबंधित वाद। आहुत बैठक में पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, लोकेश राम, पीठासीन अधिकारी कुटुम्ब न्यायालय अमरोहा, सुश्री मधुलिका चौधरी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, साकिर हसन, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / एस०सी०एस०टी० एक्ट अमरोहा, संजय चौधरी, एवं समस्त न्यायिक अधिकारीगण आहुत बैठक में उपस्थित रहे।

शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या चारु शर्मा ने लगाया एक पेड़ मां के नाम

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश में पर्यावरण और वन संरक्षण के तहत चल रहे पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की डी0एम0 साहिबा निधि गुप्ता वत्स के आव्हान पर आज शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। प्रधानाचार्या चारु शर्मा के नेतृत्व में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान में छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में नीम, नींबू, तुलसी, बेल आदि के पौधे लगाए। प्रधानाचार्या चारु शर्मा ने छात्राओं को अपने घर व आस पास भी एक वृक्ष लगाने और उसकी लगातार देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने के लिए पौधरोपण बहुत आवश्यक बताया। इस अवसर पर पुष्पा वर्मा, ममता अग्रवाल, जकिया खातून, शालिनी, स्वेता, संगीता, शकेबा, अर्शिया, ममता, आरोही, मीना आदि उपस्थित रहीं। समस्त स्टाफ ने भी अपने घर अथवा आस पास एक वृक्ष लगाने व उसकी नियमित देखभाल करने का प्रण लिया।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण महाअभियान का किया गया शुभारम्भ

अमरोहा (सब का सपना):- वृहद वृक्षारोपण महा अभियान-2025 के तहत जनपद में मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग सूर्य प्रकाश पाल द्वारा कन्या गुरूकुल महाविद्यालय चोटीपुरा में एक वृक्ष मां के नाम अभियान 2.0 के कार्यक्रम के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारम्भ किया गया। इसके साथ शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों, विधायक धनौरा राजीव तरारा, आयुक्त परिवहन उ0प्र0 शासन व नोडल अधिकारी बृजेश नारायण सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, प्राचार्या कन्या गुरुकुल चोटीपुरा महाविद्यालय सुमेधा सहित अन्य जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा बच्चों के साथ संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया गया। उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकरियों द्वारा छात्र-छात्राओं को पौधो का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित अन्य सभी को स्मृति चिन्ह के रूप में चन्दन का पौधा भेंट किया गया। इसके अतिरिक्त वृक्षारोपण महाअभियान के अवसर पर जनपद में आयुक्त परिवहन उ0प्र0 शासन व नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और मुख्य विकास अधिकारी के साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, स्कूली बच्चो, युवाओं सहित आमजन द्वारा तिगरिया खादर में शक्ति वन, बाटूपुरा के वन ब्लॉक अन्तर्गत खुंगावली ग्राम, जुबिलेंट परिसर, ग्राम पंचायत खाईखेड़ा खादर स्थित बगद नदी के किनारो पर वृक्षारोपण किया गया।

उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग सूर्य प्रकाश पाल ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा एक पेड़ माँ के नाम का आह्वान एवं मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को हरा-भरा करने के संकल्प को पूरा करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा रोपित कर उसकी सुरक्षा करे। उन्होने कहा कि भारतीय संस्कृति में माँ का स्थान सर्वोच्च रखा गया है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति माँ को समर्पित करते हुए कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं एवं उसकी देखभाल करे। कहा कि दुनिया में सबसे श्रेष्ठ भूमि भारत भूमि है। वेदों में भारत को मां की संज्ञा दी गई है। यह ऋषि मुनियों की भूमि है, यह शंकर की भूमि है, यह वंदन की भूमि है, यह अभिनंदन की भूमि है। उन्होंने कहा हमें चाहिए कि इसी भारत भूमि के लिए जिए और मरें। भारत ऐसी भूमि ऐसी संस्कृति है हमारी जहां सूर्य, चंद्रमा पशुओं और वृक्षों को देवता माना गया है। गाय को माता की संज्ञा दी गई है जिसके दूध को अमृत कहा गया है और इसका दूध एक प्रकार से औषधि हैं। वृक्षों को हमने नारायण माना, पीपल के वृक्ष को प्रजापति का संज्ञा प्रदान की गई है। बहते हुए पानी को हम गंगाजल कहते हैं। इसलिए हमें गांव-गांव, गली-गली वृक्ष लगाने हैं और वातावरण को शुद्ध बनाना है यह हमारे भविष्य के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने कहा जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है उससे अधिक वृक्ष लगाए। उन्होने कहा कि हमारी संस्कृति प्रकृति से प्रेम करने वाली संस्कृति है। प्रकृति हमें फल-फूल, अनाज, औषधि देती है हम क्या प्रकृति को दे सकते है उस पर विचार करने की जरूरत है। बृजेश नारायण सिंह आयुक्त परिवहन उत्तर प्रदेश शासन व नोडल अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि आज वातावरण प्रदूषित हो रहा है, पानी प्रदूषित हो रहा है नदियां सीमित हो गई जल स्तर कम हो रहा है। ये प्रभाव भारत में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में है इस प्रभाव को रोकने के लिये अधिक से अधिक वृक्ष लगायें। उन्होंने कहा प्रदूषण को कम करने के लिए शासन द्वारा वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया है। हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर अपने जीवन को सार्थक बनाना है। बच्चों को यह प्रेरणा दें कि अपने आसपास के साथ-साथ विद्यालयों में वृक्ष लगाए और लोगों को भी प्रेरित करें। सरकार प्रकृति को हरा-भरा करने के लियं संवेदनशील है और प्रधानमंत्री जी के आह्वान एक पेड़ मां के नाम के संकल्प को पूरा करते हुये वृक्षारोपण करें। शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों ने कहा कि कोराना काल में आक्सीजन के महत्व का पता चला। उन्होंने कहा जिस मां ने हमे जन्म दिया हमे उनके नाम का वृक्ष अवश्य लगाना है। वृक्षों से ऑक्सीजन ज्यादा से ज्यादा हमारे खून में पहुंचे, जिससे शरीर और ताकतवर होगा। इसके लिए हम सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने हैं उन्हें धरातल पर उतारना है। उन्होंने कहा कि जनपद अमरोहा को लगभग 39 लाख वृक्ष लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है और पूरे प्रदेश में 37 करोड़ वृक्ष लगाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि हर किसी को दो चीज से लगाव अवश्य होना चाहिए एक तो किताबें से दोस्ती दूसरा वृक्षो से प्यार करें। किताबे संस्कार सिखाती हैं और दूसरे वृक्ष जो छाया फल देने के साथ साथ वातावरण को दूषित होने से बचाती है पर्यावरण को स्वच्छ रखते है। उन्होने विद्यालयों में वृक्ष वाटिका बनाने के लिये एवं बच्चो से घर जाकर माता-पिता के साथ वृक्ष लगाकर फोटो लेकर अपलोड करने की अपील की। विधायक राजीव तरारा ने कहा कि वृक्ष के बिना जीवन सफल नहीं है वृक्षों के महत्व को समझें, वृक्ष सकारात्मक ऊर्जा के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी जनपदवासियों से निवेदन करते हुए कहा कि वृक्ष से जीवन सुरक्षित है इसलिये हमें एक वृक्ष जन्म देने वाली मां और भारत मां के लिए जरूर रोपित करना है और उसकी देखभाल करनी है। उन्होंने कहा आज गुरुकुल की प्राचार्या सुमेधा जी जनपद का नाम देश और दुनिया भर में कर रही हैं और पहचान का परचम लहरा रही है। हमें वृक्षारोपण कर माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को साकार करना है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि आज जनपद में वृहद वृक्षारोपण महा अभियान के अंतर्गत सबसे ज्यादा भूमिका किसान भाइयों, युवाओं और महिलाओं की है। उन्होंने कहा कि जनपद की महिलाओं, बच्चों, युवाओं, व्यापारियों, उद्यमियों, किसान भाइयों सभी के सहयोग से यह कार्य पूर्ण हो रहा है और इसी के साथ-साथ हमारे जनपद के प्रतिनिधि का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा यह वृक्षारोपण अभियान के लिए उपस्थित सभी बच्चों का उत्साह आज देखने लायक है। उन्होंने कहा शासन की मंशा के अनुसार जन सहयोग के साथ कार्य पूर्ण हो रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि जो पौधे लगा रहे हैं उनकी देखभाल कर रक्षा भी करनी है। भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि हमारे संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि है। मां जीवन देती है और पेड़ जीवन को प्राणवायु देते है। उन्होनें सभी बच्चो से आह्वान किया कि मां के नाम एक पौधा अवश्य लगायें और उसका संरक्षण करें। प्राचार्य डॉ सुमेधा ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का सबसे बड़ा वरदान है और हमारा सबसे बड़ा सारथी है। प्रकृति हमारी निरन्तर सेवा कर रही है जिसमें वृक्षो का सबसे बड़ा योगदान है। वृक्ष लगाये उन्हें बचाये और उनकी देखभाल करें। वृक्ष है तो हम है और जीवन है। कार्यक्रम का संचालन राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित अध्यापक डा0 यतीन्द्र कटारिया द्वारा सफल रूप से किया गया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी एसपी सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश कुमार यादव, भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष चौ0 दिवाकर सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक पौधा मां के नाम के अंतर्गत ग्राम पंचायत में किया गया वृक्षारोपण

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद भर में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत एक पौधा मां के नाम अंतर्गत ग्राम पंचायत ढेकला और गुरेठा में ग्राम पंचायत अधिकारी राजेश कुमार के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मात्र सम्मान को समर्पित भाव से समाज में वृक्षारोपण की महत्ता को बढ़ावा देना है।

थाना हयात नगर पुलिस ने सात आरोपी किए गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक सम्भल राजेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सम्भल सहायक पुलिस अधीक्षक व थाना प्रभारी थाना हयातनगर संजीव कुमार के कुशल नेतृत्व में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु पुलिस टीम द्वारा सात आरोपी गिरफ्तार किए है। शाकिर पुत्र सतपाल निवासी ग्राम मिठोली की मढेया थाना हजरतनगर गढी जनपद सम्भल उम्र करीब 28 ,मुबारिक पुत्र इल्हा खां उम्र करीब 45 ,नदीम पुत्र वली उम्र करीब 22,शारिक पुत्र मुबारिक उम्र करीब 23,शौकीन पुत्र शौकत उम्र करीब 32, इकराम पुत्र शोकत उम्र करीब 22,अनीश पुत्र शोकत उम्र करीब 20 निवासी गण ग्राम मुजफ्फरपुर थाना हयातनगर जनपद संभल को भिन्न भिन्न प्रकरण में शांति व्यवस्था भंग होने की सम्भावना के दृष्टिगत गिरफ्तार अभियुक्तो को समय से मजिस्ट्रेट न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

ट्रांसपोर्ट का काम कर रही प्राइवेट बसें सरकार को प्रति दिन हो रहा लाखों का नुकसान, जिम्मेदार कौन

जनपद से होकर राजधानी जाने बाली प्राइवेट बसों के चलने से सरकारी बसें,चल रही खाली

सरकार को प्रति दिन हो रहा लाखों का नुकसान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सरकारी बसें अधिकांश खाली ही दौड़ रही है सड़कों पर किसी में पांच सवारी किसी में दस सवारी यह हाल है रोडवेज बसों का। कौन है जिम्मेदार यह अपने आप में बडा सवाल है आखिर रोडवेज बस की इस दुर्दशा का असली जिम्मेदार वो है जिसके आदेश पर प्राइवेट सादा एवं डबल-डेकर बसे चल रही है एक तो उनका किराया सस्ता दूजे उनकी सर्विस फास्ट फिर क्यूं करे कोई रोडवेज बस में सफर इतना ही नहीं ये बसें ट्रांसपोर्ट का भी कार्य कर रही है भारी मात्रा में इनमें लोड भर कर लाया व ले जाया जाता है । सरकार को उठाना पड़ेगा कोई ठोस कदम जी हां अगर ऐसा ही चलता रहा तो सरकार को भारी नुक्सान का सामना करना पड सकता है अलग-अलग जगहों से संभल से होकर प्राइवेट बसे दिल्ली जा रही है उनका कोई परमिट नहीं है आखिर किसके इशारों पर यह बसें चल रही है क्यूं नही हो रही इनपर कार्रवाई। संबंधित अधिकारी अगर संज्ञान लेते है तो सरकार को काफी फायदा होगा, परन्तु जिनके इशारों पर यह चल रही है उसको भारी नुक्सान होगा यही कारण है कि प्राइवेट बसों पर नहीं हो रही कोई कार्रवाई।

जिला अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों से जानी समस्याएं, खेत में उतरकर महिला किसानों के श्रम को दिया सम्मान

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान बुधवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय गौरीगंज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों में पहुंचकर मरीजों से सीधे संवाद किया और अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डॉ. मौर्या ने एनआईसीयू, डायलिसिस कक्ष, आपातकालीन वार्ड, महिला वार्ड, चिकित्सक कक्ष समेत सभी प्रमुख इकाइयों की स्थिति का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने आरओ वाटर कूलर को खराब अवस्था में पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि तत्काल नया वाटर कूलर स्थापित कराया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अस्पताल परिसर में लगे अग्निशमन यंत्रों की एक्सपायरी डेट समाप्त होने पर नाराजगी जताते हुए उन्हें तुरंत बदलवाने तथा नए अग्निशमन यंत्र लगवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" योजना के अंतर्गत पांच नवजात बालिकाओं के अभिभावकों को बेबी किट वितरित किए। उन्होंने बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अभिभावकों को जागरूक किया और कहा कि बेटियों को अवसर और सम्मान देना ही समाज की असली तरक्की है। निरीक्षण के उपरांत महिला आयोग की सदस्य ने विकासखंड गौरीगंज के ग्राम बिशुनदासपुर में कृषक बद्री विशाल श्रीवास्तव के खेत में पहुंचकर पारंपरिक तरीके से धान की रोपाई की। ग्रामीण महिलाओं संग खेत में उतरकर उन्होंने किसानों की मेहनत को नमन किया और कहा कि महिलाएं कृषि से लेकर पारिवारिक जिम्मेदारियों तक हर मोर्चे पर सशक्त भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से संवाद करते हुए

कहा कि आज की महिला सिर्फ घर की नहीं, खेत और समाज की भी रीढ़ है। उनकी भागीदारी को सम्मान देना हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी गौरीगंज प्रीति तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार मौर्य, नायब तहसीलदार अनुश्री त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

पेड़ लगाओ जीवन बचाओ

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत सेंटर आफ टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट और साथ में संजय गांधी पॉलिटेक्निक के तत्वाधान मे संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया जिसमे में गूलर, पीपल, पाकर ,आम ,अमरूद आवला ,ईमली नीम ,बेल,जामुन तथा फलदार वृक्ष के साथ-साथ औषधीय पौधे भी लगाए गए सभी स्टाफ ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम मे उदयनाथ मिश्र उप महा प्रबंधक सीटेड, प्रधानाचार्य इंजीनियर रामरतन विभाग अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, मीनू द्विवेदी,

बागवानी प्रभारी अभिषेक चौबे, रविंद्र श्रीवास्तव ,तरुण यादव ,वेद प्रकाश प्रदीप राजपूत, गुलाब चंद्र यादव भीष्म प्रताप सिंह एवं समस्त स्टाफ ने 450 पौध रोपण किया।

रतवलिया मंझार में वृहद वृक्षारोपण महा अभियान का हुआ शुभारंभ

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- विकासखंड सिंहपुर अंतर्गत ग्राम रतवलिया मंझार स्थित वन भूमि पर बुधवार को वृहद वृक्षारोपण महा अभियान 2025 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के समन्वय से किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मा. राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मा. सदस्य विधान परिषद श्री शैलेंद्र प्रताप सिंह, वृक्षारोपण के नोडल अधिकारी राजेश कुमार, जिलाधिकारी संजय कुमार चौहान, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल सहित जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भूमि पर स्वयं पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। अधिकारियों ने अभियान की औपचारिक शुरूआत के बाद उपस्थित जन समुदाय से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी समुचित देखभाल करने की अपील की। इस दौरान "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवी संस्थाओं व जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता रही। वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन, वर्षा चक्र में असंतुलन, भूमिगत जल स्तर में गिरावट जैसी समस्याओं से बचाव के लिए वृक्षों की भूमिका को अत्यंत आवश्यक बताया। समापन अवसर पर यह भी कहा गया कि वृक्षारोपण केवल एक दिवस का कार्य नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक सामाजिक उत्तरदायित्व है, जिसकी सफलता पौधों की निरंतर देखभाल से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

जहां तक पहुंची राम कथा की आवाज वहां तक हो गया वातावरण राममय:- पंडित छवि नाथ दुबे

हसनपुर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं श्री राम कथा दैनिक यज्ञ के अंतिम दिन दिन बनारस से आए कथा के व्यास पंडित छवि नाथ दुबे द्वारा कथा समाप्ति की घोषणा के अवसर पर श्रोताओं एवं अतिथियों द्वारा पूजन कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया।कथावाचक श्री दूबे जी ने बताया जहां तक रामकथा की आवाज पहुंची है वातावरण राममय हो गया। श्रोताओं को मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन से शिक्षा लेकर परिवार के वातावरण को स्वर्ग बनाने की आवश्यकता है।इस अवसर पर उपस्थित ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज ने बताया स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट की स्थापना सैकड़ों वर्ष पूर्व हुई थी। तभी से अनेकों संतों महंतो द्वारा ट्रस्ट का संचालन करते हुए क्षेत्र में धार्मिक जागृति लाने का कार्य किया गया। एकादश दिवसीय रामकथा एवं दैनिक यज्ञ भंडारे के माध्यम से क्षेत्र को राममय करने का काम किया गया है। दैनिक यज्ञ के द्वारा वातावरण को शुद्ध करने का काम किया गया। क्षेत्र के संभ्रांत एवं प्रबुद्ध लोगों,जनप्रतिनिधियों द्वारा समय समय पर उपस्थित होकर आयोजकों का उत्साहवर्धन करने का काम किया है। राम कथा हमें परिवार मे सन्मार्ग पर चलने एवं राम भक्ति से जुड़े रहने की शिक्षा देने का कार्य करती है। जिसका अनुसरण करके परिवारों में एवं धरती पर स्वर्ग का वातावरण बनाया जा सकता है। इस अवसर पर संगीत टोली ने बीच बीच में वाद्य यंत्रों के साथ धार्मिक भजन एवं गीत संगीत के माध्यम से बातावरण को भक्ति मय बना दिया। इस अवसर पर विधान सभा धनौरा विधायक राजीव तरारा, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, सतवीर सिंह,राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, महिपाल सिंह चौ, आश्रम परिवार से महंत श्री राजेंद्र मुनि महाराज, केशव मुनि, प्रवेश मुनि, स्वामी प्रभा मुनि, देवेंद्र शर्मा, ब्रह्मचारी मुनि, कमलेश मुनि, समय सिंह, उमेश चंद्र, सर्वेश ठाकुर, रक्षपाल सिंह, रोहताश सिंह, विजय सिंह, दीपक महंत, देवराज सिंह, आदि अनेकों संत महंत एवं भारी संख्या में क्षेत्र वासी भक्त गण मौजूद रहे।

राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने की जनसुनवाई, पीड़िताओं को दिलाया न्याय का भरोसा-

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने बुधवार को तहसील गौरीगंज के सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी शिकायतों के साथ पहुंचीं। जनसुनवाई के दौरान डॉ. मौर्या ने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना, संपत्ति विवाद तथा कार्यस्थल पर उत्पीड़न जैसे गंभीर मामलों को व्यक्तिगत रूप से सुना और उपस्थित महिलाओं को आश्वासन दिया कि आयोग हर पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. मौर्या ने कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ हैं, और उनका सशक्तिकरण तभी संभव है जब

उन्हें न्याय, सुरक्षा और सम्मान प्राप्त हो। कुछ मामलों में मौके पर ही समाधान निकाला गया, जबकि अन्य में संबंधित थानों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। लंबित मामलों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु समय-सीमा भी निर्धारित की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत पर फॉलोअप कार्रवाई की जाए और शिकायतकर्ता को इसकी सूचना दी जाए। डॉ. मौर्या ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि डरने की आवश्यकता नहीं है, कानून हर उस महिला के साथ है जो उत्पीड़न का शिकार हो रही है। उन्होंने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और उन्हें जागरूक रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी कहा कि महिला आयोग केवल सुनवाई तक सीमित नहीं, बल्कि न्याय सुनिश्चित कराने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। डॉ. मौर्या ने अधिकारियों से यह भी कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र महिला तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। इस जनसुनवाई में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समेत अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के अंत में डॉ. प्रियंका मौर्या ने तहसील परिसर में अर्जुन का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने जन सामान्य से एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी गौरीगंज प्रीति तिवारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार मौर्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जनसुनवाई के दौरान कुल 14 महिलाओं ने आयोग के समक्ष अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिनके निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन गौरीगंज में किया गया वृक्षारोपण

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में वृक्षारोपण महाअभियान के तहत आज रिजर्व पुलिस लाइन गौरीगंज में अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखलेश वर्मा द्वारा विभिन्न प्रकार के वृक्ष लगाये गये । महाअभियान को सफल बनाने हेतु रिजर्व पुलिस लाइन में प्राथमिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे समस्त रिक्रूट आरक्षियों द्वारा भी इस महाअभियान में प्रतिभाग कर वृक्ष लगाये गये। अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा पेड़ो के महत्व को समझाते हुए बताया गया कि वृक्ष और जीव-जन्तु एक दूसरे के पूरक हैं तथा एक दूसरे पर निर्भर हैं । वृक्षों द्वारा छोड़ा गया ऑक्सीजन मनुष्य एवं अन्य जीव जन्तुओं के लिये प्राण-वायु है जो जीवन के लिये सबसे ज्यादा जरूरी है। मनुष्य तथा अन्य जीवों द्वारा छोड़ी गयी

कार्बनडाई ऑक्साइड पेड़ो के लिये जरूरी है जिसे वह अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते है तथा भूमण्डलीय तापमान बढ़ने से रोकते हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा लोगों को वृक्षारोपण महाअभियान से जुड़कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा जीवन के लिये खतरनाक प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का संदेश दिया गया । इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन राजेन्द्र कुमार व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भारतीय किसान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

हापुड़ (सब का सपना):- भारतीय किसान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधिकारी अभिषेक पांडे को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। भारतीय किसान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष शाहनवाज चौधरी प्रदेश ने जानकारी देते हुए बताया किसानों और मजदूरों की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में मांग की गई है। बिजली के बकाया बिल सरकार माफ करें बिजली सस्ती दरों पर किसानों व मजदूरों को दे किसान मजदूर मोके पर मौजूद रहे इमरान खान प्रदेश महासिचव व फिरोज खान प्रदेश सचिव व ताज

मौहम्मद युवा जिला अध्यक्ष हापुड़ व इस्माईल त्यागी तहसील अध्यक्ष गढ़मुक्तेश्वर व इमरान खान तहसील अध्यक्ष हापुड़ व युसुफ राजा युवा प्रदेश सचिव व अरमान खान नगर अध्यक्ष हापुड़ ओर भारतीय किसान संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रावण में निकाली जायेगी महाकाल बाबा की पालकी, क्षेत्राधिकारी को दिया निमंत्रण

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- श्री महाकाल सेवा समिति के द्वारा महाकाल बाबा की शाही सवारी 21 जुलाई 2025 को नगर चंदौसी में भ्रमण करेगी। इसके उपलक्ष्य में बुधवार को चंदौसी के क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी से मिलकर उनको सर्वप्रथम श्री राम दरबार जी स्मृति चिन्ह भेंट किया। और पटका पहना कर सम्मानित किया गया तदुपरांत श्री महाकाल सेवा समिति के द्वारा बाबा महाकाल की शाही पालकी में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया गया।

इस अवसर पर समिति के सदस्य प्रमोद कुमार गांधी, हीरालाल वार्ष्णेय,

मयंक वार्ष्णेय, तुषार वार्ष्णेय क्रिस्टल, प्रमोद कुमार गुरु, चिराग बजाज, दिनेश वार्ष्णेय, खिलाड़ी प्रशांत वार्ष्णेय, अमर वार्ष्णेय, निशांत वार्ष्णेय, दीपेश सेठआदि उपस्थित रहे ।

चावल के कट्टों से भरी डीसीएम हाईवे पर पलटी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर चावल के कट्टों से भरी डीसीएम अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई।गनिमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल

हाईवे 9 स्थित ख्यालीपुर ढाल के निकट का जहां एक चावल के कट्टों से भरी ओवरलोड डीसीएम को उसके बराबर से पास हो रहे एक कंटेनर ने टक्कर मार दी जिससे डीसीएम के चालक का नियंत्रण खो गया और डीसीएम अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खाई में जाकर पलट गई।इस हादसे में गनिमत यह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। इसके बारे में जानकारी देते हुए डीसीएम के चालक आमिर निवासी संभल ने बताया कि दिल्ली से काशीपुर डीसीएम में चावल के कट्टे भरकर जा रहा था जैसे ही वह ख्यालीपुर आदित्य ढाबे के पास पहुंचा तो बराबर से गुजर रहे एक कंटेनर ने उस टक्कर मार दी। फिलहाल इस हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं हैं।

शोहदा ए कर्बला के सोयम के मौके पर शब बेदारी

आधा दर्जन अंजुमनों ने की नोहाख्वानी और सीनाजनी

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- शोहदा ए कर्बला के सोयम के मौके पर शब बेदारी का आयोजन किया गया। जिसमें बाहर से तशरीफ लाईं आधा दर्जन अंजुमनों ने नोहाख्वानी और सीनाजनी की। कस्बा उझारी के मोहल्ला सादात स्थित इमामबारगाहे अबू तालिब में मजलिस का आयोजन किया गया। जिसमें मर्सियाख्वानी शाहपुर सिरपुड़ा से तशरीफ लाए फूल मियां और उनके साथियों ने की। पेश ख्वानी के फराइज मारूफ सिरसवी, वासिफ बाकरी, जॉन बाकरी ने अदा किए। मजलिस को खिताब फरमाते हुए मौलाना कामरान हैदर ने कहा कि कर्बला हर इंसान को इज्जत के साथ जीने का सबक देती है। जालिम चाहे कितना भी ताकतवर क्यों न हो, एक

अच्छा इंसान जालिम के जुल्म को बर्दाश्त नहीं कर सकता। मजलिस के बाद नोहाख्वानी और सीनाजनी का दौर प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम अंजुमन तंजीमे हुसैनी के साहिब ए बयाज अकबर मेहंदी और मौ० जामिन ने नौहा पढ़ा। उसके बाद अंजुमने लश्करे हुसैनी मेरठ के साहिबे बयाज हुमायूं और गीजाल रजा ने, अंजुमने अकबरी कुंदरकी सादात के साहिबे ब्याज रजा हसनैन काजमी ने, अंजुमने यादगारें हुसैनी सेंथल के साहिबे बयाज वाहिद अली ने, अंजुमने अब्बासिया टिक्सा ज़िला मुजफ्फरनगर के साहिबे बयाज शबीह हैदर ने, अंजुमने हैदरी साकनी के साहिबे बयाज चांद फैजी ने नौहाख्वानी की तथा अन्जुमनों ने सीनाजनी की। उसके बाद मेहंदी का जुलूस हुसैनी चौक, चांदनी चौक, भाटों वाला कुआं, मैन बाजार, मदरसा चौक, मोहल्ला देसलान, मौहल्ला कुम्हारान, गोल इमामबाड़ा, हुसैनी चौक होता हुआ इमामबारगाहे बाबुल हवाइज में जाकर समाप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से अफाक बाकरी, जामिन बाकरी, मौ अख्तर, मौ बाकिर, शाने अब्बास, अखलाक हुसैन, बिलाल बाकरी, शाने असगर, जीशान हैदर, मौ० अब्बास, सलमान हैदर, इब्ने अब्बास, आरिफ राजे, डा० राशिद अब्बास, सुल्तान मुस्तफा उर्फ टोनी मियां, हसन मेंहदी, गुल मौ०, वसीम कुरैशी, चांद वारसी, तंजीम अब्बास, अन्सारुल हक, रहीमुददीन साबरी, मैराज अली, अलाउद्दीन सैफी, हाफिज अनवर आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। प्रोग्राम का संचालन मौलाना आसिफ रजा बाकरी ने किया।

राजेश मसाला ने भ्रामक खबर फैलाकर ब्रांड वैल्यू कम करने की साजिश और छवि खराब किए जाने की पुलिस से किया शिकायत

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- राजेश मसाला उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक व जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर उनके राजेश मसाला ब्राण्ड और उनकी छवि को खराब करने के लिए कूटरचित साजिश करने का आरोप लगाया है। राजेश ने कहा है कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अमेठी द्वारा अभियान चलाकर जनपद से बहुत सारे खाद्य नमूने संग्रहित किये गये थे जिसमे उनके प्रतिष्ठान से हल्दी का नमूना भी लिया

Topkhana Raipur Phulwari, Pargana & Tahsil Amethi-227405
Ph.: +91 05368 223284
Email- rajeshmasala.amethi@gmail.com
www.rajeshmasala.com

गया था, लैब द्वारा जॉच रिपोर्ट आने पर कई सारे नमूने अधोमानक पाये गये जिसमे उनके प्रतिष्ठान का नमूना हल्दी पाउडर भी अधोमानक आया। राजेश मसाला उद्योग के कार्यालय को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधि० की धारा 46 (4) के अन्तर्गत नोटिस प्राप्त हुई। जिसमे कहा गया है कि नमूना अधोमानक पाये जाने एवं यदि आप इस जाँच रिपोर्ट से सन्तुष्ट न हो तो प्रारूप 8 के अनुसार 30 दिनों के अन्दर अपना नमूना रेफरल लैब से पुनः जॉच हेतु अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। राजेश ने पुलिस से किए गए शिकायत में आरोप लगाया है की कुछ लोग उनके ब्राण्ड की बैल्यू को खराब करने और उनकी छवि को धूमिल करने के लिए बिना पूरा तथ्य जाने भ्रामक खबरें फैला रहे हैं। जबकि उनके कम्पनी पर इस संबंध में कोई भी केस दर्ज नही है। राजेश अग्रहरि ने इस मामले में पुलिस को लिखित शिकायती पत्र दिया है।

धनौरा में भाकियू असली द्वारा गन्ना समिति की ताला बंदी कर धरना प्रदर्शन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (राजनीतिक) असली द्वारा पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वेव शुगर धनौरा में संपूर्ण गन्ना पेमेंट की मांग को लेकर संगठन के किसानों एवं पदाधिकारी ने गन्ना समिति पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के किसानों और पदाधिकारीयों ने गन्ना समिति की तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन किया। बता दें कि धरने के दौरान किसानों ने मील प्रबंधन में पहुंचे प्रतिनिधि किसानों से मौखिक आश्वासन देते

रहे लेकिन किसान अपनी मांग पर डटे रहे। इस पर किसानों द्वारा स्टेट हाईवे पर जाने की चेतावनी पर धरने में तहसीलदार धनोरा पहुंचे। तहसीलदार की महयस्थता में किसानों को मील की तरफ से लिखित आश्वासन मिला जिसमें आने वाली 14/07/2025 तक 10 करोड रुपए और 20/07/2025 तक संपूर्ण गन्ना भुगतान की बात कही गई। इसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त हुआ। इस दौरान वहां पर डूंगर सिंह ,बचन सिंह, जसपाल गिल, दिनेश प्रधान ,कपिल प्रधान ,देशराज सिंह, कलुआ खान, लोकेश कुमार ,भूपेंद्र सिंह , खचेडू सिंह ,शाकिर अली,इश्तियाक अल्वी, सुरेश यादव, मनोज त्यागी ,कपिल त्यागी ,जन्म सिंह, गंगा शरण सैनी, रामवीर सिंह, नन्हे सिंह ,खेमपाल सिंह, रमेश प्रधान, राकेश भाटी, सुखविंदर सिंह सहित दर्जनों से अधिक किसान मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- स्पेशल ओलंपिक भारत के मुकेश शुक्ला, चेयरमैन, स्पेशल ओलंपिक्स भारत उ०प्र० द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता/ चयन फुटबॉल, बास्केटबॉल, बोची, हैंडबॉल, फुटसल, टेनिस, टेबल टेनिस, गोल्फ, जूडो की राज्य स्तरीय चयन/ परीक्षण का आयोजन दिनांक 05 से 07 जुलाई 2025 तक गाजियाबाद के दिव्य ज्योति डेंटल कॉलेज मोदीनगर में संपन्न कराई गई। जिसमे पुरुजित सिंह (स० अ०), स० वि०

रायपुर शहजादपुर, विकास खंड- जोया, जनपद-अमरोहा को तकनीकी सहायता के लिए चयनित किया गया। खेलों के सफल संपादन के लिए पुरुजित सिंह जी को मल्लिका नड्डा चेयरपर्सन स्पेशल ओलंपिक भारत द्वार सम्मानित किया गया एवं उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की गई पूर्व में भी समय समय पर पुरूजीत सिंह ने स्पेशल ओलंपिक्स में स्पेशल बच्चों को विभिन्न विभिन्न खेलों को खिलवाकर स्टेट सिलेक्टर के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने कर्तव्यों को बखूबी तरीके से निभाया है। साथ ही साथ स्काउट में भी इन्होंने जिले स्तर पर प्रतिभाग किया है । हर बार पुरूजीत सिंह ने खेलों के प्रति अपने जज्बे, जुनून और लगन के चलते अपने दायित्वों को फलीभूत किया है।

शिवरात्रि के उपलक्ष में बैठक का किया गया आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के गढ़मुक्तेश्वर में नक्का कुआं मंदिर के प्रांगण में मुख्य महंत गिरी जी महाराज के संरक्षणता में शिवरात्रि के उपलक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। जिसके अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष गब्बर सिंह एवं संचालन समाजसेवी पंकज लोधी ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए गब्बर सिंह ने कहा कि सभी शिव भक्ति मंदिर परिसर में कावड़ लेकर आएंगे उनकी व्यवस्था में जो भी भक्त इस बैठक में नियुक्त किए गए हैं उनको अपने-अपने कार्य का ध्यान रखना होगा। मुक्तेश्वर महादेव मंदिर, झारखंडेश्वर महादेव मंदिर एवं कोई भी भक्त शराब आदि पीकर मंदिर में प्रवेश न करें। संचालन करते हुए समाजसेवी पंकज लोधी ने कहा महिला

श्रद्धालुओं के साथ कोई भी छेड़छाड़ अभद्रता करता है उसकी शिकायत पुलिस प्रशासन एवं मंदिर प्रशासन से की जाएगी। इस मौके पर पंडित विनोद शास्त्री संजय सिंह मास्टर विकास एडवोकेट प्रवीण गुप्ता इंद्रपाल सिंह राजकुमार प्रजापति गजेंद्र गिरी रामाशंकर तेजवीर सिंह जितेंद्र चौधरी विनोद शर्मा समरपाल सिंह चौधरी खिलानंद बिष्ट उमेश लोधी विष्णु नगर मनजीत सिंह प्रदीप रावत नितेश पंडित शिवम रावत मनोज सैनी जितेंद्र सैनी चंद्रपाल आदि लोग मौजूद रहे।

ए.एस.एम. बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज खाता में किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के खाता स्थित ए. एस. एम. बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व कॉलेज के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह प्रार्थना सभा के साथ हुई, जिसमें प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। ये हमें ऑक्सीजन, छाया और शुद्ध पर्यावरण प्रदान करते हैं। आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक

है।" उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए, ताकि हमारी धरती हरी-भरी बनी रहे। इसके बाद, वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य द्वारा नीम का पौधा लगाकर किया गया। स्कूल परिसर में नीम, पीपल, बरगद, आम, और अमरूद जैसे विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों पौधे लगाए गए। छात्र-छात्राओं ने समूहों में पौधरोपण किया और प्रत्येक पौधे की देखभाल का संकल्प लिया। शिक्षकों ने भी इस कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया और बच्चों को पौधों की देखभाल के तरीके सिखाए। कार्यक्रम में स्थानीय पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकताओं को भी आमंत्रित किया गया था। उन्होंने वृक्षारोपण की वैज्ञानिक तकनीकों और इसके दीर्घकालिक लाभों के बारे में जानकारी दी। एक पर्यावरणविद् ने कहा, "वृक्षारोपण केवल पेड़ लगाना नहीं, बल्कि एक स्वस्थ भविष्य की नींव रखना है।" इस अवसर पर स्कूल के प्रांगण को रंग-बिरंगे झंडों और पर्यावरण संरक्षण के नारों से सजाया गया था। छात्रों ने "पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ" और "हरियाली लाओ, प्रदूषण भगाओ" जैसे नारे लगाए। कार्यक्रम के अंत में, प्रधानाचार्य ने सभी को धन्यवाद दिया और नियमित रूप से ऐसे आयोजनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का वादा किया। यह वृक्षारोपण कार्यक्रम न केवल स्कूल के लिए, बल्कि पूरे अमरोहा जिले के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया। वीरेन्द्र कुमार गुप्ता के नेतृत्व में यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति समुदाय की जागरूकता को और मजबूत करेगी।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट आज से: लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण पिच पर होगी बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा

लंदन (एजेंसी)। शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में लॉर्ड्स की चुनौती पूर्ण पिच पर सफलता हासिल करने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करना होगा जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी से मेजबान टीम के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट जबकि भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच जीता था और इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला अभी बराबरी पर है। भारत की दूसरे मैच में 336 रन से जीत के बाद हालांकि समीकरण काफी बदल गए हैं। भारत ने अभी तक दोनों मैच में अधिकतर समय अपना दबदबा बनाए रखा है और अगर उसने पहले टेस्ट मैच में कुछ कैच नहीं छोड़े होते और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो वह श्रृंखला में 2-0 से आगे होता।

नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम की अनुभवहीनता को देखते हुए लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम उस पर हावी रहेगी लेकिन अभी तक जिस तरह से भारत ने प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए उसे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खली जिन्होंने इस श्रृंखला से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इससे भारत की मजबूत बेंच स्ट्रेंथ का भी पता चलता है।

गिल एंड कंपनी द्वारा बनाए गए रनों के पहाड़ ने बेन स्टोक्स की सपाट पिच तैयार करके विपक्षी टीम को मुकाबले से बाहर करने की रणनीति पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया।

सपाट पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की जबरदस्त सफलता मेजबान टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुई है। अब उन्हें ऐसे विकेट पर खेलना पड़ सकता है जिस पर अच्छी सीम मूवमेंट की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में ऊपर-नीचे जाने वाली ढलान की अनोखी चुनौती भी है। बुमराह और जोफ्रा आर्चर की वापसी से बल्लेबाजों का काम और कठिन हो जाएगा। आर्चर चार साल में इंग्लैंड के लिए अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं।

बल्लेबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए ज़्यादा चिंता की कोई बात नहीं है, सिवाय करुण नायर के फॉर्म के, जो लेंथ से उछलती गेंदों के सामने थोड़े असहज दिखे हैं। इंग्लैंड यशस्वी जायसवाल की शॉर्ट पिच गेंदों से परीक्षा लेने की कोशिश करेगा लेकिन पूरी संभावना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रन बनाने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लेगा। भारत की अंतिम एकादश में एकमात्र अपेक्षित बदलाव प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह का आना होगा।

लीड्स के बाद भारतीय तेज गेंदबाजों

की प्रभावशीलता पर गंभीर सवालिया निशान उठे थे, लेकिन आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और बुमराह की तिकड़ी आक्रमण को एक शक्तिशाली रूप देती है। दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेकर आकाश दीप ने इंग्लैंड में स्विंगिल शुरुआत की और हर समय विकेट को निशाना बनाने की उनकी आदत को देखते हुए घरेलू टीम के बल्लेबाजों को इस चतुर गेंदबाज के खिलाफ अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी।

सिराज को 2021 में लॉर्ड्स में अपने मैच जीतने वाले प्रयास से आत्मविश्वास मिलेगा, जबकि बुमराह सबसे सपाट पिचों पर भी खतरनाक साबित होते हैं और यहां तो परिस्थितियां उनके अनुकूल हो सकती हैं। एजबेस्टन में भारत ने तीन ऑलराउंडर खिलाए, जिनमें रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के रूप में दो स्पिनर शामिल थे। यह जोड़ी आगे भी बने रहने की संभावना है। भारतीय टीम में नितीश रेड्डी एकमात्र तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होंगे जिनका मुख्य कौशल बल्लेबाजी है।

जोफ्रा आर्चर की वापसी से इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत होगा। पूरी तरह से फिट होने के बाद, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी टीम में वापस आ गए हैं। इंग्लैंड ने आर्चर को टीम में शामिल करके अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की कोशिश की है। वह टीम में जोश टंग की जगह लेंगे। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए अपनी एकादश में एकमात्र यही बदलाव किया है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली पर दबाव होगा जबकि कप्तान बेन स्टोक्स से भी अधिक रन की उम्मीद है, जिन्होंने गेंदबाजों में लय हासिल करने में ज्यादा समय नहीं लगाया लेकिन उनकी बल्लेबाजी के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अब तक श्रृंखला में दर्शकों की संख्या असाधारण रही है और लॉर्ड्स में भी स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

इंग्लैंड की अंतिम 11 : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

जसप्रीत बुमराह वापसी को तैयार, लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन (एजेंसी)। लंदन = जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया। कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच खेलने वाले सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। सिराज हमेशा मैदान पर अपना शत प्रतिशत देते हैं लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उनके काम के बोझ का प्रबंधन किया जाएगा।

कोटक ने कहा, 'काम के बोझ का प्रबंधन केवल बुमराह के लिए नहीं है। हर गेंदबाज की फिटनेस, हर गेंदबाज की समस्या अलग होती है। लेकिन मुझे लगता है कि बीच में पर्याप्त आराम मिलता है। इस मैच के बाद लंबा ब्रेक है। लेकिन सिराज ऐसे खिलाड़ी हैं जो बहुत गेंदबाजी करते हैं।% ल्लेबाजों में करुण नायर और साई सुदर्शन ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। नायर ने अब तक श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

सीरीज को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकते : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अभी से ये नहीं कहा जा सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज कौन सी टीम जीतेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। वहीं 3 मैच होने हैं जिससे सीरीज के परिणाम तय होंगे। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की जीत के बाद गांगुली स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि आगे के मैचों में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी पर कहा कि सीरीज में अभी तीन मैच शेष हैं, इसलिए परिणाम के बारे में अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। गांगुली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम पहले दो मैचों की तरह ही तीसरे मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करेगी। साथ ही, उम्मीद करता हूं कि टीम 20 विकेट लेने में भी सफल रहेगी, जिससे जीत मिलने की संभावना बढ़ जाये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगले टेस्ट में जसप्रीत बुमराह भी टीम में आ जाएंगे। इससे हमारी गेंदबाजी और भी बेहतर हो जाएगी और हम इंग्लैंड के 20 विकेट आसानी से ले सकेंगे।

शुभमन गिल ने लगाई 15 स्थान की लम्बी छलांग, टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में अपने जबरदस्त प्रदर्शन की बदौलत 15 पायदान ऊपर चढ़कर टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक हमवतन जो रूट को पछाड़ कर शीर्ष पर पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग के अनुसार एजबस्टन में पहली पारी में 158 रन बनाने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने साथी जो रूट को पछाड़ कर जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है और अब रूट से 18 अंक आगे हो गए हैं। जो रूट अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दूसरे टेस्ट में 269 और 161 रनों की ऐतिहासिक पारियां खेलने वाले भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 15 स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 807 रेटिंग अंक हैं। इसके अलावा केन विलियमसन (तीसरे), यशस्वी जायसवाल (चौथे) और स्टीवन स्मिथ (पांचवें) हैं। अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 184 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को भी फायदा हुआ है, वह 16 पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ऑलराउंडर वियान मुल्डर को बल्लेबाजों और ऑलराउंडरों, दोनों की रैंकिंग में फायदा हुआ है।

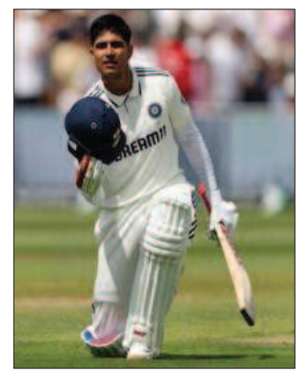

श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर हसरंगा बंगलादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

कैंडी । श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोट के कारण बंगलादेश के खिलाफ शुक्रवार से शुरु होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए है। बंगलादेश के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में श्रीलंका को मैच में वापसी दिलाने हसरंगा आखिरी एकदिवसीय मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। मेजबान टीम श्रीलंका ने यह एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीती ली थी। हसरंगा के स्थान पर अभी तक किसी अन्य खिलाड़ी का चयन नहीं किया गया है। वह कोलंबो लौटकर हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया शुरू करेंगे। चरित असालंका श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगे।

श्रीलंका टीम : चरित असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, दिनेश चांडीमल, कुसल परेरा, कामिंदु मेंडिस, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका, दुनिथ वेलालेज, महीश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, चमिका करुणारत्ने, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, बिनुरा फर्नांडो और ईशान मलिंगा।

पंड्या इस कारण नहीं खेलते टेस्ट क्रिकेट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और वह केवल सीमित ओवरों (एकदिवसीय ओर टी20) प्रारुप के लिए भी उपलब्ध होते है। पंड्या ने अंतिम बार साल 2018 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं साल 2021 में पंड्या ने टेस्ट टीम में वापसी की थी पर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। इसके बाद 2021 टी20 विश्व कप के बाद, पंड्या ने खेल से ब्रेक लिया और आईपीएल 2022 में वापसी की। पंड्या ने करियर में भारत के लिए 11 मैचों की 18 पारियों में कुल 532 रन बनाए हैं। इसके अलावा 19 पारियों में गेंदबाज करते हुए उन्होंने 17 विकेट लिए हैं। उनके टेस्ट मैच न खेलने का मुख्य कारण फिटनेस है। वह अपने करियर में चोटों से काफी परेशान रहे हैं। उन्हें कई बार चोट का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वह अपने करियर को लंबा बनाये रखने टेस्ट से दूरी बनाये हुए हैं। उनके पीठ का दर्द उनके टेस्ट क्रिकेट न खेलने के पीछे के कारणों में से एक है। पंड्या ने भी एक बार कहा था कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलकर अपनी पीठ को जोखिम में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मैं खुद को एक बैक-अप सीमर मानता हूं। पीठ की सर्जरी के बाद मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना परेशानी खड़ी कर सकता है हालांकि अगर वह केवल टेस्ट ही खेलते और सीमित ओवरों के लिए उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वे टेस्ट खेल सकते थे।

दक्षिण अफ्रीका की जिम्बाब्वे पर 20 साल में सबसे बड़ी जीत, श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया

बुलावायो (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया।

दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गई थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गई। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाए जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था।

मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी और सुबह के सत्र में टीम ने दो विकेट गंवाए, जिसमें अनुभवी सीन विलियम्स भी शामिल थे।

विलियम्स ने मुल्डर की गेंद को रोकने की कोशिश की और 11 रन पर अपना ऑफ स्टंप गंवा बैठे। लंच से पहले निक वेल्च (55) ने अपने पांचवें टेस्ट में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद सेनुराम मुथुसामी की गेंद पर मुल्डर के हाथों कैच आउट हो गये। वेल्च का विकेट गिरने के बाद टीम ने 28 ओवरों में 67 रन पर बाकी के सात विकेट गंवा दिये। कप्तान क्रेग एर्विन ने एक छोर से संभल कर खेलते हुए 95 गेंदों में 49 रन की जुझारू पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने चार जबकि मुथुसामी ने तीन और कोडी यूसुफ दो विकेट लिए। जिम्बाब्वे ने बुलावायो में अपना पिछला मैच 2001 में जीता था। उसने इस दौरान 22 टेस्ट खेले और इनमें से 17 में हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई चैंपियनशिप पर रहेंगी मनु की नजरें

पेरिस । ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का लक्ष्य अब कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना रहेगा। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में केवल मनु ही दो व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेंगी। वहीं निशाने बाजी महासंघ ने सात से 15 सितंबर तक चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 निशानेबाज हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। मनु इसमें महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई भी शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं। जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी!

आर्चर बन सकते हैं शुभमन के लिए चुनौती : ब्रॉड

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के लिए मुसीबत बन सकते हैं। इसका कारण है कि आर्चर के खिलाफ टेस्ट में शुभमन सफल नहीं रहे है। शुभमन ने इस सीरीज के पहले दोनो ही मैचों में शतक लगाये हैं। इससे ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। शुमभन अब तक वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हालांकि ब्रॉड और जोस बटलर का मानना है कि जोफ्रा के खिलाफ उनके लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा।

भारतीय कप्तान ने एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक भी लगाया थाहै। इंग्लैंड के गेंदबाज उन्हें बड़ी मुश्किल से आउट कर पाये हैं। उन्होंने सीरीज के शुरुआती दो मैचों की चार पारियों में 146.25 के औसत से 585 रन बनाए हैं। ब्रॉड और बटलर ने तीसरे मैच में आर्चर के संभावित प्रभाव पर बात करते हुए कहा कहा, वह बस शानदार फॉर्म में थे। ऐसा नहीं लग रहा था कि उन्हें कुछ दिक्कत हो सकती है। उनसे कुछ गलत नहीं किया। विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद से, वह नंबर चार पर आ गए हैं और शतक, एक बड़ा दोहरा शतक, एक बड़ा 150 रन बना चुके हैं बस कमाल है। ऐसा लगता है कि उनकी कोई कमजोरी नहीं है।

वहीं जोस बटलर ने कहा, मुझे लगता है कि जो गेंद पिच होने के बाद अंदर आती है और उसमें वह बोल्ड होते हैं। जोफ्रा आर्चर लॉर्ड्स में टीम में वापसी करेंगे वह ऐसी ही गेंदें करते है। उन्होंने आईपीएल में शुभमन को बोल्ड किया था लेकिन इसके अलावा, वह एक बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं। भारत तकनीकी रूप से कई बेहतरीन खिलाड़ी तैयार करता है।

आर्चर को बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच से पहले स्क्वॉड में शामिल किया गया था पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं

मिली थी। आर्चर चार साल बाद टेस्ट प्रारूप में खेलने के लिए उतरेंगे। उन्होंने ससेक्स के लिए एक मैच खेला है। शुभमन ने तीन पारियों में आर्चर का सामना किया है। जिसमें उन्होंने 18 रन बनाए हैं और दो बार आउट हुए हैं। आर्चर की तेजी भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी बन सकती है।

साल्ट का बल्ला जांच में सही पाया गया : ईसीबी

लंदन । आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम में शामिल रहे फिल सॉल्ट पर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में बल्ले के गेज को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे पर बाद में वह इस मामले में बरी हो गये हैं। साल्ट को वाइटैलिटी ब्लास्ट में नॉर्थैम्पटनशायर स्टीलबैक्स के खिलाफ लंकाशायर लाइटनिंग के मैच में लक्ष्य का पीछा करते समय पहले ओवर में ही सवाल उठे थे। तब अंपायर ने सॉल्ट के

बल्ले का आकार मापने के लिए बैट-गेज की जांच की थी। यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिससे यह तय किया जाता है कि बल्ला निर्धारित मापदंडों के अंदर बना है या नहीं पर उस समय उनका बल्ला बल्ला-गेज से नहीं गुजर पाया और उसे टेस्ट में असफल घोषित कर दिया गया। पहली बार में टेस्ट में फेल होने के बाद सॉल्ट के बल्ले का गेज मैच के बाद भी देखा गया। इस दौरान उनका बल्ला जांच में पास हो गया। इसके बाद भी अंपायर्स ने बल्ले को आगे की जांच के लिए भेज दिया। लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने कहा है कि बल्ला उसमें भी सही पाया गया है। ऐस में इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एंटी-करप्शन कोड के किसी भी उल्लंघन से भी इस क्रिकेटर को दोषमुक्त कर दिया गया। सॉल्ट का कहना था कि वह पिछले दो साल से यही बल्ला इंग्लैंड, लंकाशायर और आईपीएल में इस्तेमाल करते रहे है और इस पर किसी ने भी कभी कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी।

पहलवान सुशील कुमार ने रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू की, 2021 से हत्या के आरोप में जेल में थे

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली = दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार ने एक हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में जमानत मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है। कभी भारतीय कुश्ती का चेहरा माने जाने वाले इस प्रतिष्ठित एथलीट ने इस हफ्ते की शुरुआत में रेलवे कार्यालय में रिपोर्ट की जो अदालतों से प्रशासनिक कार्यों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत है।

सुशील साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के सिलसिले में 2021 से न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मार्च की शुरूआत में मुकदमे की प्रक्रिया में लंबी देरी का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दी थी। हालांकि जाच अभी भी जारी है और उनकी कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन जमानत ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी स्थिति फिर से हासिल करने का मौका दिया है।

रेलवे सूत्रों ने के मुताबिक वर्तमान में उत्तर रेलवे में वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक के पद पर नियुक्त कुमार औपचारिक पोशाक में ड्यूटी पर आए और मीडिया की बढ़ती दिलचस्पी के बीच कम प्रोफाइल बनाए रखी। अधिकारियों ने उनकी बहाली की पुष्टि करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया सेवा नियमों के अनुसार की गई। उनकी वापसी पर जनता की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही है। जहां कुछ लोगों ने हत्या के एक मामले में आरोपी व्यक्ति की बहाली की आलोचना की है, वहीं कुछ का तर्क है कि दोषी साबित होने तक सुशील निर्दोष हैं और अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां फिर से शुरू करने के हकदार हैं।

कभी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले कुमार का ओलंपिक पोडियम (बीजिंग 2008 में कांस्य और लंदन 2012 में रजत) से लेकर हत्या के आरोपी बनने तक का सफर पूरे देश को स्तब्ध कर गया है। फिलहाल यह कुश्ती स्टार चुपचाप अपनी सामान्य जिंदगी में लौटने पर ध्यान केंद्रित करता दिख रहा है। हालांकि अदालती कार्यवाही अभी भी जारी है और इस मामले का साया उनकी वापसी की कोशिशों पर मंडरा रहा है।

जल्द ही फ्लोर पर आएगी तृप्ति डिमरी-प्रभास की फिल्म स्पिरिट

साउथ एक्टर प्रभास अपनी आगामी फिल्म स्पिरिट में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम कर रहे हैं। यह उनकी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही प्रशंसकों में उत्साह पैदा कर दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म

एक खबर के मुताबिक, हाल ही में अमेरिका में एक इवेंट के दौरान संदीप के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 से शुरू होगी। स्पिरिट प्रभास और संदीप का पहला सहयोग है। इसमें प्रभास के किरदार के लिए खास स्टाइल में बदलाव की जरूरत होगी। इसलिए, संदीप ने प्रभास से पूरी तरह समय मांगा है। फिल्म को एक ही शेड्यूल में शूट करने की योजना है, ताकि कहानी और किरदार की गहराई बनी रहे।

दीपिका नहीं होंगी फिल्म का हिस्सा

पहले खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म का हिस्सा थीं, लेकिन शेड्यूल और समस्याओं के कारण उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद एनिमल फेम तृप्ति डिमरी को नई फीमेल लीड के रूप में चुना गया। तृप्ति की कास्टिंग को काफी सराहा जा रहा है। फिल्म की कहानी को अभी गुप्त रखा गया है। संदीप की यह फिल्म वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करेगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

स्पिरिट के अलावा प्रभास द राजा साब नाम की एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जो दिसंबर 2025 में रिलीज हो सकती है। यह फिल्म हल्की-फुल्की और मजेदार होगी। उनकी एक और फिल्म, जिसका नाम संभवत: फौजी है, निर्देशक हनु राघवपुडी के साथ है, जो देशभक्ति और ड्रामा पर आधारित हो सकती है। स्पिरिट के साथ प्रभास और संदीप एक ऐसी फिल्म लाने की तैयारी में हैं, जो एक्शन और भावनाओं से भरपूर होगी। सितंबर में शूटिंग शुरू होने के साथ फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

मानुषी ने बताया बॉलीवुड में कैसा रहा अब तक का सफर

मानुषी छिल्लर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। मानुषी को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। क्योंकि उनके तीन साल के बॉलीवुड करियर में एक भी हिट फिल्म नहीं है। ऐसे में 'मालिक' मानुषी के लिए काफी अहम फिल्म है।

अब तक बॉलीवुड जर्नी में अगर कुछ एक डिलीट करना हो, तो क्या करेंगी?

वैसे तो कुछ भी नहीं डिलीट करना चाहूंगी। क्योंकि हर एक पल ने कुछ न कुछ दिया है। उससे कुछ न कुछ सीखा है। हां, जब कोविड की वजह से लॉकडाउन लगा था, तब जरूर ये लगा था कि सब कुछ स्लो हो गया है। एक ठहराव आ गया है। वो भी इसलिए कि मैंने शुरू ही किया था और अचानक सब कुछ थम सा गया। हालांकि, उस वक्त उसकी जरूरत थी। लेकिन अंदर ही अंदर लगता था कि मैं और भी काम करना चाहती हूं। मेरी फिल्म जल्दी आए। मैं बस उस समय को थोड़ा कम करना चाहूंगी।

आपको अब तक बॉलीवुड ने कैसे ट्रीट किया है?

अभी तो शुरुआत हुई है। अभी तो सबकुछ अच्छा ही रहा है। जैसा किसी भी फील्ड में नए इंसान को ट्रीट किया जाता है, वैसा ही यहां मुझे किया जाता है। ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने मुझे बहुत अच्छा फील कराया है और मेरा साथ ही दिया है। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें मैं और भी जानना चाहूंगी। मैं धीरे-धीरे समझ ही रही हूं।

अभी तक की बॉलीवुड की जर्नी से क्या सीख मिली है? कहानी को देखकर फिल्म करो या फिर एक्टर और बैनर देखकर?

हालांकि, फिल्म एक पूरा पैकेज होती है। लेकिन कहानी और एक्टर-बैनर में से किसी एक को चुनना हो तो बेशक कहानी ही सबसे महत्वपूर्ण है, ये मुझे अब समझ में आया है। लेकिन कहीं न कहीं आप चाहेंगे कि एक अच्छा प्रोड्यूसर हो, जो उस कहानी को अच्छे से पैकेज करे। एक अच्छा निर्देशक हो जो उस कहानी को अच्छे से दिखाए। इसलिए अच्छी फिल्म बनाने में हर चीज की अपनी भूमिका होती है। सिर्फ कोई एक चीज फिल्म को अच्छा नहीं बनाती।

अपारशक्ति खुराना की तमिल सिनेमा में एंट्री

पीटीआई के अनुसार फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' की शूटिंग इन दिनों चेन्नई में चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन सूर्यप्रताप एस कर रहे हैं। इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में वह तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं।

तमिल सिनेमा का हिस्सा बनकर खुश अपारशक्ति

तमिल फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' का हिस्सा बनकर अपारशक्ति खुराना उत्साहित हैं। वह कहते हैं, 'मैं रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' के साथ तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत को लेकर एक्साइटेड हूं। फिल्म की कहानी काफी चुनौतीपूर्ण और अलग है। इस फिल्म की टैलेंटेड टीम के साथ काम करके काफी खुश हूं।' इस फिल्म के मेकर्स का भी कहना है, 'हम एक इमोशनल स्टोरी को साइंस फिक्शन, क्राइम थ्रिलर के साथ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

भाई के साथ फिल्मों में आए

अपारशक्ति खुराना के भाई आयुष्मान खुराना भी बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर हैं। अपारशक्ति, आयुष्मान से इंस्पायर हैं। दोनों भाइयों की बॉन्डिंग भी कमाल की है। दोनों भाई साथ ही मुंबई करियर बनाने आए। अपारशक्ति एक्टिंग में आने से पहले क्रिकेट में भी रुचि रखते थे। वह हरियाणा अंडर 19 क्रिकेट टीम के कैप्टन भी रह चुके हैं।

रावण के पुनर्जन्म की कहानी ला रहे प्रशांत नील और अल्लू अर्जुन, दीपिका होंगी हीरोइन!

रणबीर कपूर और यश के रामायण की पहली झलक आ गई है। नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन और नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म का 3 मिनट का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। यह फिल्म दो पार्ट में 2026 और 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी। रामायण की पौराणिक कथा और किरदारों में अगर आपकी दिलचस्पी है, तो अब साउथ सिनेमा में भी एक ऐसी फिल्म आ रही है, जिसमें हमें दशानन रावण की अनकही कहानी देखने को मिलने वाली हैं। दिग्गज निर्माता दिल राजू ने प्रशांत नील और अल्लू अर्जुन के इस प्रोजेक्ट की पुष्टि की है। जबकि एक रिपोर्ट में फिल्म की कहानी को लेकर नया दावा किया गया है। सिनेफाइल मोहम्मद इहसान नाम के यूजर ने ङ्क पर इसकी जानकारी दी है। उनका कहना है कि रावणम फिल्म में रावण के पुनर्जन्म की कहानी दिखाई जाएगी। यह फिल्म बताएगी कि राक्षस राजा की मृत्यु के बाद उसके साथ क्या हुआ और उसकी आत्मा को कैसे ले जाया गया।

खूंखार गैंगस्टर के रूप में होगा रावण का पुनर्जन्म?

बताया जाता है कि फिल्म की कहानी में एक पैरलल यूनिवर्स यानी समानांतर ब्रह्मांड होगा, जिसमें रावण का पुनर्जन्म एक खूंखार अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर के रूप में होता है। हालांकि, अभी तक यह सिर्फ चर्चा ही है, क्योंकि निर्माताओं को ऐसी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

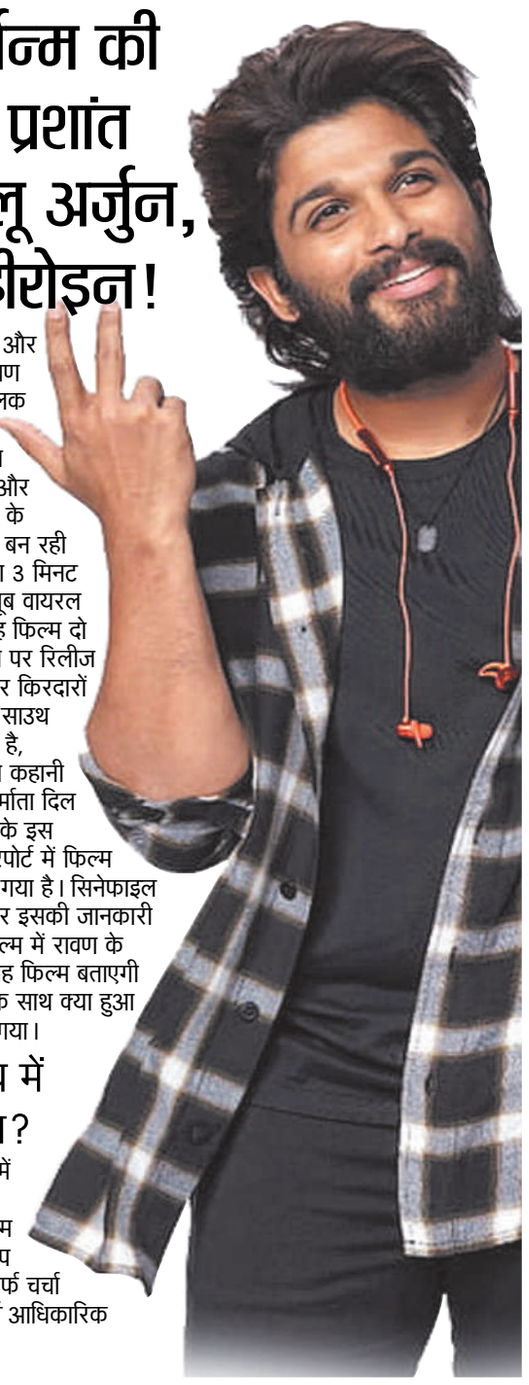

अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा

अभिनेत्री अनुष्का लुहार अपनी आने वाली फिल्म अक्षरधाम - ऑपरेशन वज्र शक्ति की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। अनुष्का ने बताया कि अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह सीनियर और टैलेंटेड अभिनेता हैं। उनके साथ काम करके काफी कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए एक काफी अच्छा और संतोषजनक अनुभव रहा। बचपन से ही मैं अक्षय खन्ना की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं और उनकी फैन रही हूं। उनकी फिल्म 36 चाइना टाउन में उनका अभिनय मुझे बहुत पसंद आया था। अब जब मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है, तो यह सपने जैसा लग रहा है और मेरे लिए वाकई में बहुत खास है।

उन्होंने कहा, अक्षय सर सेट पर एक अलग ही शांति और एकाग्रता लेकर आते हैं। उनका तरीका बहुत प्रेरणादायक है। उन्हें काम करते हुए देखना, उनके समर्पण को महसूस करना अपने-आप में एक सीखने का अनुभव रहा है। उन्होंने अपने किरदार को सच्चाई और गहराई से निभाया है। इस फिल्म में पूरी टीम ने दिल से मेहनत की है, और ऐसे समर्पित और टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है।

अभिनेत्री ने निर्देशक केन घोष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, केन घोष का शांत स्वभाव, अटूट समर्थन और उनकी दयालुता ने पूरी फिल्म बनाने की प्रक्रिया को बहुत आसान और मजेदार बना दिया। मैं पहले भी जी5 की एक वेब सीरीज में उनके साथ काम कर चुकी हूं। इस सीरीज के दौरान उन्होंने मुझे सेजल के किरदार के लिए चुना था। उन्होंने मुझे ऑडिशन देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं उनके इस विश्वास के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, केन सर का धैर्य और उनका मिलनसार स्वभाव सेट पर सकारात्मक माहौल बनाता है। मैं उनके काम और हर प्रोजेक्ट में उनकी ईमानदारी की बहुत कदर करती हूं। उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी है, और मुझे सच में उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा जो हमें फिल्म बनाते वक्त हुआ। मैं भविष्य में उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगी। अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति 2002 में गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर हुए आतंकी हमले और उसके बाद हुई आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन की कहानी पर आधारित है।

साईं पल्लवी मेरी तरह सीता नहीं बन सकतीं

रामानंद सागर की 'रामायण' में सीता का किरदार निभा चुकीं दीपिका चिखलिया आज भी करोड़ों लोगों के लिए 'सीता माता' हैं। हाल ही में जब नितेश तिवारी की नई फिल्म 'रामायण' का टीजर सामने आया, तो उन्होंने बातचीत में इस पर राय रखी। उन्होंने फिल्म के विजुअल्स की तारीफ की, लेकिन साथ ही इस बात की चिंता भी जताई कि कहीं रामायण के असली इमोशंस बड़े बजट और तकनीक के बीच खो न जाए।

टीजर भव्य है, पर आत्मा दिखाई नहीं दी

दीपिका चिखलिया ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे विजुअल इफेक्ट्स अच्छे लगे। लेकिन मेरी अपनी राय है कि रामायण सिर्फ ग्राफिक्स या टेक्नोलॉजी नहीं है। ये एक भावनाओं की कहानी है। टीजर देखकर कहानी का अंदाजा नहीं लगा, लेकिन इतना जरूर लगा कि ये काफी मॉडर्न लग रहा है। लाइटिंग, रंगों का टोन... सब थोड़ा नया जमाने जैसा महसूस हुआ। दीपिका ने कहा कि जब उन्होंने रामायण की थी, तब तकनीक बहुत सीमित थी, लेकिन लोगों ने उस शो से दिल से जुड़ाव बनाया था। अब जो टीजर देखा, उसमें भव्यता है, लेकिन मैं इंतजार कर रही हूं यह देखने का कि क्या उसमें वो इमोशंस हैं या नहीं।

रणबीर को देखा...और याद आ गए अरुण गोविल

जब दीपिका से पूछा गया कि रणबीर कपूर राम के रूप में कैसे लगे, तो उन्होंने कहा, जब मैंने रणबीर को राम के रूप में देखा, तो मुझे तुरंत अरुण गोविल की याद आ गई। मैं शायद कभी राम की जगह किसी और को देख ही नहीं पाऊंगी। वे 35-40 साल से हमारे लिए राम हैं।

साई पल्लवी मुझसे अलग होंगी, पर सीता को अच्छी तरह निभाएंगी

सीता के रोल में साई पल्लवी के चयन पर दीपिका ने कहा, वो एक बहुत अच्छी एक्ट्रेस हैं। मैंने उनकी मलयालम फिल्में देखी हैं। उनकी एक्टिंग बहुत नैचुरल होती है। मुझे पूरा भरोसा है कि वे सीता का किरदार अच्छे से निभाएंगी। हां, वो मुझसे अलग होंगी, लेकिन वो अपना काम अच्छे से करेंगी।

पहले से पहचाने चेहरे को भगवान मानना आसान नहीं होता

दीपिका ने बताया कि जब उन्होंने रामायण में काम किया था, तब लोगों ने उन्हें सच में देवी के रूप में देखना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, आज भी लोग मुझे और अरुण जी को राम-सीता ही मानते हैं। फर्क बस इतना है कि जब हम आए थे, तब हम बिल्कुल नए चेहरे थे। लोग हमें उसी रूप में स्वीकार कर पाए। लेकिन अब के कलाकार पहले से कई किरदार कर चुके हैं, इसलिए लोगों के लिए उन्हें भगवान के रूप में स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

राम जी को दशरथ के रूप में देखना आसान नहीं

नई फिल्म में अरुण गोविल दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इस पर दीपिका ने भावुक होकर कहा, जब मैंने सोशल मीडिया पर उन्हें दशरथ के रूप में देखा, तो दिल से यही निकला... ये तो राम जी हैं। उनके चेहरे पर वही शांति, वही छवि है। मुझे उन्हें दशरथ के रूप में देखना थोड़ा मुश्किल लगा।

रामायण में खुद को सिर्फ सीता के रूप में ही देख सकती हूं

दीपिका ने यह भी बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए किसी ने संपर्क नहीं किया। साथ ही उन्होंने खुद को किसी और किरदार में देखने से इनकार किया। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं सिर्फ सीता हूं। मैं खुद को किसी और रूप में रामायण में नहीं देख सकती। अगर महाभारत जैसा कुछ होता, तो सोचती। लेकिन रामायण में नहीं। रामायण को सिर्फ देखा नहीं, महसूस किया जाता है फिल्म के मेगा बजट (करीब 850 करोड़ रुपये) पर दीपिका ने कहा, रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं है। यह रिश्तों और भक्ति की गहराई है। इसे दिखाने के लिए पैसे नहीं, भावना चाहिए। रामायण को महसूस करना होता है, सिर्फ देखना नहीं होता। मुझे बस ये डर है कि इतने बड़े बजट और भारी विजुअल्स में इमोशंस पीछे न रह जाएं। असली रामायण वही है, जिसमें भक्ति और भावनाएं हों।

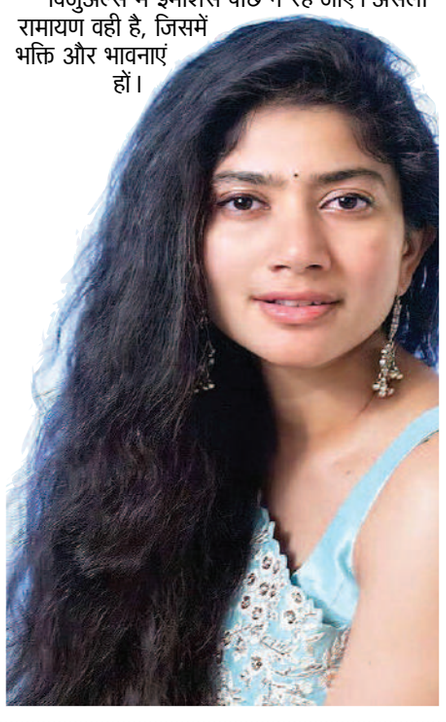

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।